वर्ष-08 | अंक-257 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-
RNI-MPHIN/2018/75526
दैनिक कालप्रिया
सच वही जो दिखे...
भोपाल, शनिवार
20
जून 2026
Email.kalpriyanews72@gmail.com

पेज-6

ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस का हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन में मध्य प्रदेश ने हासिल की बहुआयामी उपलब्धियां : राष्ट्रपति

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि अन्तर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस पर इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। मैं इस आयोजन से जु? सभी लोगों की सराहना करती हूं। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन अंतर्गत मध्यप्रदेश ने जो बहुआयामी उपलब्धियां हासिल की हैं, उसके लिए मैं राज्य सरकार की सराहना करती हूं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु शुक्रवार को खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने दीप प्रज्ज्वलित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

राष्टपति श्रीमती मुर्मु ने ओंकारेश्वर में राष्टीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 के अंतर्गत आयोजित विश्व सिकलसेल दिवस-2026 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

आयोजन नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का है संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आदि शंकराचार्य की तपोभूमि और जननायक टंट्या मामा की कर्मस्थली पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भावी पीढियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राष्टीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन से जनजागरूकता बढाकर इस गंभीर बीमारी की रोकथाम की दिशा में देश और प्रदेश मिलकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान आने वाली पीडियों को सिकल सेल जैसी घातक बीमारी से बचाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी का प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा परिवार और कई पीडियां इसकी पीडा झेलती हैं। इसलिए इसे रोकना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्टपति श्रीमती मुर्मु की उपस्थिति को प्रेरणादायी बताते हुए उनका अभिनंदन किया और कहा कि उनके सान्निध्य में यह संकल्प और अधिक मजबूत हुआ है।

एक साथ 5 सिस्टम मानसून को रोक रहे

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। 11 दिन हो गए हैं, ये आगे नहीं बढ रहा है। इससे उत्तर-मध्य भारत के 7 राज्य बारिश के लिए तरस रहे हैं। इन राज्यों में 60ê'तक कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसकी वजह एक ही समय पर 5 अलग-अलग सिस्टम एक्टिव होना है। जैसे अरब सागर से तेज नमी वाली हवाएं नहीं आ रहीं और दक्षिण से बादल उत्तर की ओर नहीं बढ रहे हैं। 1 से 18 जून के बीच देश में सामान्य से 38 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। अब तक के आंकड़ों के अनुसार सबसे खराब स्थिति गुजरात की रही, जहां सामान्य से 79 प्रतिशत कम बारिश हुई। इसके बाद महाराष्ट्र में 78 प्रतिशत कम वर्षा की गई। कोलकाता एयरपोर्ट पर आंधी-तूफान के दौरान अगरतला जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E6068 पर बिजली गिर गई। घटना उस समय हुई जब विमान एयरोब्रिज पर खड़ा था।

अरब सागर, बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं आगे नहीं बढ़ रहीं, 19 राज्य बारिश को तरसे

पैदल चलने वालों को परेशानी समझते हैं ड्राइवरः सुप्रीम कोर्ट

फुटपाथ पर चलना बुनियादी अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि तय फुटपाथ पर चलने का अधिकार एक बुनियादी अधिकार है।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और एएस चंदुरकर की बेंच ने एक अहम फैसले में कहा कि तय रास्तों पर मोटर गाड़ियों के मुकाबले इस अधिकार को प्राथमिकता दी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि यह संविधान के आर्टिकल 19 (1) के तहत गारंटी वाले आने-जाने के अधिकार और आर्टिकल 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) समेत दूसरे बुनियादी अधिकारों का हिस्सा है। बेंच ने कहा कि इस अधिकार के तहत अगर सड़क है, तो यह पक्का करना भी ड्यूटी है कि पैदल चलने वालों के लिए तय और अच्छी तरह से मेंटेन किए गए फुटपाथ हों।

मौलिक अधिकार लागू करवाने निगरानी बॉडी बनाएं

सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा- तय फुटपाथ पर चलने के मौलिक अधिकार को बेहतर बनाने और लागू करने के लिए एक रेगुलेटरी बॉडी बनाना जरूरी है। हमेशा काम करने वाली और लगातार बनी रहने वाली ऐसी रेगुलेटरी बॉडी संस्थागत जानकारी विकसित और सुरक्षित रखेगी.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में किया सड़क निर्माण कार्य का किया भूमि-पूजन

प्रदेश का सर्वांगीण विकास ही शासन का संकल्पःमुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित लोकार्पण व भूमि-पूजन कार्यक्रम में कहा है कि राज्य सरकार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है और उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम इंदौर ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्वच्छता अभियान में इंदौर ने देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवधि में देश ने विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि के प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई मजबूती मिली है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में विकास के विभिन्न मानकों पर निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को विकास का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजनांतर्गत जोन 8 में सड़क का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर के जोन क्रमांक 8 के वार्ड क्रमांक 37 में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक प्रस्तावित सड़क विकास कार्य और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य का आज रिमोट से भूमि-पूजन कर शुभारंभ किया। इसमें सड़क निर्माण कार्य की लागत 13.26 करोड़ और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य की लागत 2.64 करोड़ रुपए है। यह सड़क लगभग 1.30 किलोमीटर लंबी एवं इन्दौर विकास योजना-2021 के अनुसार 30 मीटर चौड़ाई में निर्मित होगी। परियोजना अंतर्गत सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, सीवर चैम्बरों का सुदृढ़ीकरण, फुटपाथ निर्माण तथा विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित विभिन्न अधोसंरचनात्मक कार्य किए जाएंगे।

विकास कार्यों की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भूमि-पूजन समारोह में कनाड़िया रोड से खजराना रोड तक लगभग 1400 मीटर लिंक रोड बनाने की घोषणा की। उन्होंने पूर्वी रिंग रोड से रोबोट चौराहे तक 6 लेन फ्लाई-ओवर बनाने की घोषणा की। इसकी अनुमानित लागत लगभग 50 करोड़ रुपए होगी।

हितलाभ का किया गया वितरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत 2 हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया गया जिसमें श्री राहुल मरमट और श्री जगदीश उपाध्याय को 50-50 हजार के प्रतीकात्मक चेक मंच से प्रदान किये गये। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजवर्गीय,कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अमला उपस्थित रहे।

जियो का आईपीओ जल्द 27 करोड़ शेयर जारी होंगे

सेबी के पास दस्तावेज जमा; मुकेश अंबानी बोले- आकाश, ईशा और अनंत जिम्मेदारी संभालेंगे

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जियो के आईपीओ के लिए आज 19 जून को सेबी के पास दस्तावेज जमा किए। 49वीं एनुअल जनरल मीटिंग में चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इसकी जानकारी दी। आईपीओ के जरिए कंपनी 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। शेयरों की कीमत कितनी होगी अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पूरी प्रोसेस सेबी के नियमों के मुताबिक होगी।

रिलायंस बोर्ड से मंजूर की गई डीआरएचपी में क्या खास

जियो प्लेटफार्म्स

जियो प्लेटफॉर्म्स रिलायंस की ही एक टेक कंपनी है, जिसका हेडक्वार्टर मुंबई में है। भारत में अपना खुद का सबसे बड़ा मोबाइल नेटवर्क चलाने के साथ-साथ यह कंपनी दुनिया की दूसरी टेलीकॉम कंपनियों को भी एडवांस 5 प्रतिशत सर्विस और तकनीक देने का काम करती है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए आधिकारिक घोषणा की है कि कंपनी के बोर्ड ने जियो के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को अपनी मंजूरी दे दी है.

अमेरिका-ईरान शांति समझौते भारत को होंगे बड़े फायदे

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी से लेकर साबुन-दवाइयां भी होंगी सस्ती...

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच 107 दिनों तक चले संघर्ष के बाद शुक्रवार को दोनों देश स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टाक रिजॉर्ट में ऐतिहासिक शांति वार्ता के लिए आमने-सामने होंगे। यहां समझौते के क्रियान्वयन और आगे की प्रक्रिया पर चर्चा होगी। अमेरिका और ईरान के बीच 19 जून को होने वाला प्रस्तावित शांति समझौता सिर्फ एक कूटनीतिक सफलता नहीं, बल्कि भारत के लिए एक बड़ी आर्थिक राहत साबित हो सकता है। दरअसल, भारत अपनी जरूरत का करीब 85प्र कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए इस समझौते के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य होते ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम में गिरावट देखने को तो मिलेंगे ही। साथ ही इसका असर ट्रांसपोर्टेशन और मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट पर भी दिखेगा। कच्चे तेल की

कीमतों में गिरावट होने से पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल जैसे सिंथेटिक धागे, रबर, प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल्स सस्ते होंगे, जिससे आगे चलकर कपड़े, साबुन, डिटर्जेंट, कॉस्मेटिक्स, दवाइयां, टायर और यहां तक कि खेती-किसानी के सामान भी सस्ते हो सकते हैं। भारत एलपीजी गैस के लिए भी आयात पर काफी निर्भर है। लगभग 88% एलपीजी आयात इसी रास्ते से जुड़े रहे हैं। ऐसे में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुलने से भारत पर्याप्त मात्रा में एलपीजी सिलिंडर उपलब्ध हो सकेगा और इससे सरकार को एलपीजी कीमतों को स्थिर रखने और सब्सिडी का बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। इसका सीधा फायदा घरेलू उपभोक्ताओं तक देखने को मिल सकता है।

फल-सब्जी और खाने-पीने के आइटम्स हो सकते हैं सस्ते

डीजल का उपयोग सिर्फ वाहनों तक ही सीमित नहीं है, इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल खेती, कोल्ड स्टोरेज और माल ढुलाई में भी होता है। सब्जी-फल और दूसरे खाने पीने के सामान एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने में ट्रांसपोर्ट लागत अहम भूमिका निभाती है। इसके अलावा खाड़ी देशों के फर्टिलाइजर का भी कृषि में अहम योगदान है, ऐसे में अगर डीजल और खाद सस्ता होते हैं तो खाने-पीने की चीजों के दाम कम हो सकते हैं।

संयुक्त अरब अमीरात-सिंगापुर पहली पसंद, अमेरिकी सबसे ज्यादा जा रहे

दुनियाभर में रिकॉर्ड 1.65 लाख करोड़पति छोड़ेंगे देश

नई दिल्ली (एजेंसी)

हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2026 के मुताबिक इस साल रिकॉर्ड 1.65 लाख करोड़पति अपना देश छोड़कर दूसरे देशों का रुख करने वाले हैं। पिछले साल करीब 1.42 लाख करोड़पतियों ने देश छोड़ा था। 2024 में यह आंकड़ा 1.34 लाख, जबकि 2013 में 51 हजार था। अमीर परिवार अब सिर्फ कर छूट नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और बेहतर निवेश के लिए भी दूसरे देश जा रहे हैं। यूएई 85.3 स्कोर के साथ सबसे पसंदीदा संपत्ति का केंद्र है। भारत का स्कोर 56.5 है।

अमेरिकाः सबसे ज्यादा अमीर परिवार देश छोड़ने को तैयार

अमेरिका का संपत्ति का गतिशीलता स्कोर सिर्फ 62.3 है। यहां से सबसे ज्यादा लोग अन्य देशों की नागरिकता मांगते हैं। 2025 में ऐसे आवेदन दोगुने हुए और यह रफ्तार 2026 में भी बनी रही। सिर्फ 7 प्रतिशत आवेदन विदेश में बसे अमेरिकियों से आए, बाकी देश में रह रहे अमीरों से। इनमें से आधे यूरोप के लिए और एक चौथाई से ज्यादा लैटिन अमेरिका-कैरिबियन के लिए हैं।

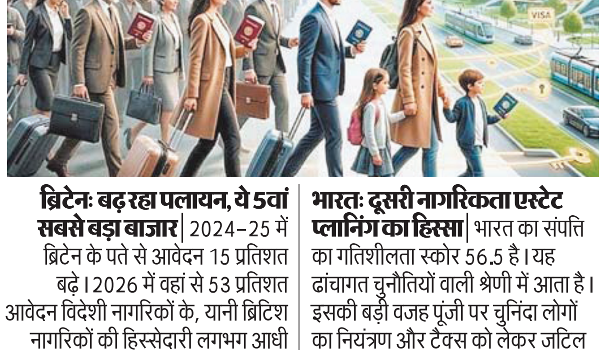

ब्रिटेनः बढ़ रहा पलायन, ये 5वां सबसे बड़ा बाजार | 2024-25 में ब्रिटेन के पते से आवेदन 15 प्रतिशत बढ़े। 2026 में वहां से 53 प्रतिशत आवेदन विदेशी नागरिकों के, यानी ब्रिटिश नागरिकों की हिस्सेदारी लगभग आधी रही। 2018 में यह हिस्सेदारी सिर्फ 8 प्रतिशत थी। 2018 में ब्रिटेन 20वां सबसे बड़ा बाजार था। अब प्रथम 5 में है।

भारतः दूसरी नागरिकता एस्टेट प्लानिंग का हिस्सा | भारत का संपत्ति का गतिशीलता स्कोर 56.5 है। यह ढांचागत चुनौतियों वाली श्रेणी में आता है। इसकी बड़ी वजह पूंजी पर चुनिंदा लोगों का नियंत्रण और टैक्स को लेकर जटिल नियम हैं। अमीर भारतीय परिवारों के लिए नागरिकता अब एस्टेट प्लानिंग और टैक्स स्ट्रक्चरिंग का हिस्सा बन रही है।

यूएईः प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल कर रहे अमीर

यूएई का स्कोर सबसे ऊंचा 85.3 है। ज्यादातर मांग प्रवासी कारोबारियों की है, जो यूएई को आधार बनाकर दूसरे विकल्प तलाश रहे। ये अमीर यूएई को एक प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं।

यूरोपः स्पेन, पुर्तगाल में सख्ती से ग्रीस को फायदा

निवेश-नागरिकता आवेदनों में करीब आधे पुर्तगाल, इटली, नीदरलैंड्स, साइप्रस जैसे यूरोपीय देशों के लिए हैं। स्पेन का गोल्डन वीसा बंद होने, पुर्तगाल का रियल एस्टेट रूट हटने से ग्रीस को सीधा फायदा हो रहा है।

सोना भी धड़ाम

चांदी में बड़ी गिरावट, दो दिन में 22000 रुपए सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी की कीमतों में एक बार फिर से बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है और दोनों कीमती धातुएं दो दिनों से क्रैश हो रही हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत होने के साथ ही अचानक चांदी की वायदा कीमत में फिर बड़ी गिरावट आ गई। महज दो दिनों में ही ये कीमती धातु 22000 रुपये सस्ती हो गई है। दूसरी ओर से सोना भी काफी सस्ता हो गया है और 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड रेट गिरकर 1.46 लाख रुपये पर आ गया है।

खुलते ही 8000 रु. टूटी चांदी

एमसीएक्स पर चांदी की कीमत में आई गिरावट पर नजर डालें, तो 3 जुलाई की एक्सपायरी वाली सिल्वर का प्राइस बीते कारोबारी दिन टूटते हुए 2,37,572 रुपये प्रति किलो पर क्लोज हुआ था और शुक्रवार को कारोबार की ओपनिंग के साथ ही ये फिसलकर 2,29,561 रुपये प्रति किलो पर आ गया। ऐसे में एक झटके में 1 किग्रा. सिल्वर 8,011 रुपये सस्ती हो गई। चांदी की वायदा कीमत में बीते कारोबारी दिन गुरुवार को भी बड़ी गिरावट आई थी।

अधिवक्ता संघ चुनावः नामांकन फार्मों की संवीक्षा में सभी उम्मीदवारों के पत्र पाए गए वैध

■ कुछ अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र पर प्रस्तुत की गई आपत्तियां, किया गया निराकरण

नगर संवाददाता ■ सतना

अधिवक्ता संघ चुनाव के रण में उतरे उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी जीत के लिए जुग्गत लगाने लगे हैं। अभ्यर्थियों के मध्य पारदार्शिता तौर पर चुनावी तैयारी भी देखी जा रही है। चुनावी महौल के क्रम में गुरूवार को जिला अधिवक्ता संघ के निर्वाचन हेतु प्रस्तुत नामांकन फार्मो की संवीक्षा दोपहर 2 बजे से प्रारंभ हुई जो कि संघ के कार्यालय मे सायं 4 बजे तक चली।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी रमेश मिश्रा की माने तो संविक्षा उपरांत सभी के नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। इस अवसर कुछ अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र पर आपत्तियां प्रस्तुत की गई, जिनका विधिवत निराकरण भी किया गया।

अध्यक्ष के लिए 8 मैदान में

अध्यक्ष पद के लिए अधिवक्ता संघ के चुनाव में 8 अभ्यर्थी सामने आए है, जिसमें अमृत लाल शुक्ला, प्रदीप कुमार पाण्डेय, पुष्पराज सिंह, सुनील शर्मा, रत्नेश श्रीवास्तव, ददन सिंह परिहार, राजबहादुर सिंह, रमेश कुमार पाठक शामिल हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद में ओम शंकर तिवारी, धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा, दिलीप कुमार आर्य, शैलेन्द्र कुमार यादव, अरुण सिंह परिहार, कृष्ण कुमार पयासी, शरद मिश्रा के मध्य प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष के बीच भी टक्कर

सचिव पद में दिनेश प्रसाद शुक्ला, विपिन कुमार वर्मा, सुनील पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय, सह सचिव पद पर सन्तोष कुमार पयासी, मयंक देव सिंह परिहार, यश वर्धन द्विवेदी, सुशील कुमार त्रिपाठी, अनिल कुमार शुक्ला, मनोज कुमार त्रिपाठी तो कोषाध्यक्ष पद में अन्नपूर्णा तिवारी, शिखा सिंह, वर्षा मिश्रा, नीता यादव के बीच दमखम देखने को मिलेगा।

ये रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त चुनाव अधिकारी श्रवण पाठक एवं सलाहकार मंडल के सदस्य जितेंद्र सिंह परिहार, हर्ष तिवारी, विपिन सिंह टिंकू सहित सहायक निर्वाचन अधिकारी सुनील निगम, रावेन्द्र सिंह, राघवेंद्र सिंह, गिरजेश पांडे, अखिलेश अवधिया, राजेश मिश्रा, अखिलेश अवधिया, कमलेश द्विवेदी समेत बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उनके समर्थक प्रस्तावक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रबी व खरीफ तैयारी की संभागीय बैठक स्थगित

सतना। मध्यप्रदेश शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा रबी 2025-26 की समीक्षा एवं खरीफ की तैयारियों के संबंध में प्रस्तावित संभागीय समीक्षा बैठक को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अवर सचिव आर. के. गणेशे ने बताया कि जबलपुर संभाग की समीक्षा बैठक 24 जून तथा रीवा एवं शहडोल संभाग की बैठक 25 जून को आयोजित होना निर्धारित थी। आगामी बैठक की नई तिथि पृथक से सूचित की जाएगी।

नीट परीक्षा की व्यवस्था के लिए बैठक

सतना। आगामी 21 जून को नीट (यूजी) 2026 की परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा की संवेदनशीलता और गोपनीयता को देखते हुए सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु 19 जून को प्रातः 11.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में बैठक आयोजित की जाएगी। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है।

सर्प मित्र ने दो जगहों पर किया स्नेक रेस्क्यू

सतना। शहर और आसपास के क्षेत्र में दो अलग-अलग घरों में रैट स्नेक (धामन) निकलने से लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने दोनों सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोड़ दिया। बांधवगढ़ कॉलोनी निवासी बृजभूषण दुबे के घर में बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे लगभग साढ़े 7 फीट लंबा रैट स्नेक दिखाई दिया। सांप को देखकर परिवार के लोग घबरा गए। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। रेस्क्यू प्रभारी नरेंद्र पयासी और सर्प मित्र शंखधर तिवारी मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक सांप को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। इसी तरह सोहावल निवासी बच्चू वर्मा के घर में गुरुवार को करीब 6 फीट लंबा रैट स्नेक निकल आया। सांप दिखते ही परिवार के सदस्य डर गए और वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे रेस्क्यूअर वसीम खान ने सांप का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया।

[अंदेशा] वन विभाग का दल साल भर में पकड़ता है हजार सर्प, ज्यादातर मिलती हैं 8 प्रजातियां

मानसून सीजन में मंडराने लगेगा सर्पदंश से मौतों का खतरा, हर वर्ष होती है 50 से ज्यादा मौत

नगर संवाददाता, सतना।

मानसून सीजन में जिला मुख्यालय समेत सतना-मैहर जिलों में सर्पदंश से मौतों का खतरा मंडराने लगेगा। सर्पदंश से औसतन हर वर्ष में 50 से ज्यादा मौत की घटनाएं होती हैं। इसी अवधि में स्नेक बाइटिंग के सालाना 300 से भी अधिक घटनाएं होती हैं। बताया जाता है कि वन विभाग की ट्रेंड रेस्क्यू टीम अकेले सतना शहर से एक साल के दौरान हजार सर्प पकड़ कर जंगल में छोड़े हैं। इनमें विषखोपड़े और कुछ जहरीले नहीं होने वाले सांप भी शामिल हैं। सतना-मैहर जिले के सतना वन मंडल में कोबरा, घोड़ा पछाड़, रसल्स वाइपर, धामन और इंडियन रॉस पाइथन जैसी सर्पो की 8 प्रजातियां पाई जाती है। हालाकी इनका सर्वेक्षण कठिन है। जबकि इनको पकड़ कर जंगल में छोडना़ आसान है।

बारिश काल होता है प्रजनन का समय

शहर के अंदर करेंत, कोक्त, धाममा, रसैल वाइपर, अजगर और विध खोपड़ा जैसे सर्प वर्ग की 5 प्रमुख प्रजातियां बहुतायत में मिलती हैं। जानकार बताते हैं कि शहर की जैव विविधता एवं जलवायु इनके अनुकूल है। शहरी विकास के कारण ये नगर के करीब आते हैं। एक तरह गांवों में पक्के निर्माण से संपों के प्रकृतिक रहवास तेजी से नष्ट हुए है। सर्प प्रायः मिट्टी की गहराई में बिल बना कर रहते हैं। बारिश का समय इनका प्रजनन काल भी होता है। वहीं वन विभाग के पास ट्रेड टीम है। जो धरपकड़ के दौरान 4 से 10 फीट लंबी स्टिक एवं स्नेक बॉक्स का उपयोग करती है। इनके पास विशेष प्रकार के भी स्टूमेंट होते हैं। सर्पदंश की स्थिति में प्राथमिक उपचार के साथ टीम पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराने में भी सहयोग करती है।

यहां से निकलते हैं सर्प

बताया जाता है कि शहर के अंदर सीवरेज लाइन के लिए गहरे उत्पवन से सांप बाहर आने की घटनांए आती रहती है। उल्लेखनीय है सर्पदंश से मृत्यु पर राज्य सरकार अश्रितों को 4 लाख की आर्थिक सहायता राशि भी उपलब्ध कराती है। मैहर-सतना जिले में एंटी स्नेक वैक्सीन की सालाना खपत तकरीबन 4000 डोज है।

हजार डोज स्टॉक की तैयारी

जिले के सरकारी अस्पतालों में 1 हजार डोज का स्टॉक वैक्सीन का रखा जाता है। कई मामलों में एक पीड़ित को 15 से 20 डोज तक लगाने पड़ते है। विशेषज्ञ बताते हैं कि बारिश की शुरुआत के साथ के मामले बढ़ते हैं। जून से अक्टूबर के बीच सर्वाधिक खतरा रहता है। बारिश में जब तापमान में गिरावट आती है, सांप बाहर निकलते हैं. जो सामने आया उसे शिकार बनाते हैं। राहत की बात यह है कि जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सीएचसी के साथ पीएचसी में भी स्नेक बेनम वैक्सीन स्टॉक रखा गया है। स्नेक वैक्सीन को अब अत्यावश्यक दवाइयों की सूची में शामिल किया गया है।

यहां होती है अधिक खपत

स्नेक वैक्सीन की अधिक खपत मुख्य रूप से देवराजनगर, मैहर, मझगवां, उचेहरा के साथ परसमनिया में होती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि सर्पदंश के अधिकांश मामलों में लोग पहले झाड़ फूंक कराते हैं। स्थिति गंभीर होने के बाद अंत में अस्पताल लेकर भागते हैं।

मप्र शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री के नाम दिया ज्ञापन

टीईटी अनिवार्यता हो समाप्त

नगर संवाददाता, सतना।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ एवं अखिल भारतीय शिक्षक महासंघ के आह्वान पर गुरुवार को जिला इकाई सतना ने 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त करने की मांग को लेकर कलेक्टरेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता लागू करना अव्यावहारिक और अन्यायपूर्ण है। लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को इस प्रावधान के कारण अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने मांग की कि ऐसे सभी शिक्षकों को डीएलएड की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त करते हुए शासन स्तर पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेशभर में इस मुद्दे को लेकर शिक्षकों में असंतोष है। उनका कहना है कि नियुक्ति के समय जो पात्रता और नियम लागू थे, उसी आधार पर शिक्षकों ने सेवा ग्रहण की थी। ऐसे में वर्षों बाद नई शर्तें लागू करना न्यायसंगत नहीं है। कलेक्टरेट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट रिद्धि पिल्लैया ने शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल से ज्ञापन प्राप्त किया और संबंधित स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से कृष्णमुरारी तिवारी, रूपेश पाठक, अनुप तिवारी, टीकमशरण सिंह, मनोज गुप्ता, वसीम अहमद, अनिल गर्ग, अशोक तिवारी, मंगलेश जाटव, सुनील मिश्रा, रमेश द्विवेदी, अनुराग सिंह, जितेंद्र सिंह, ललित सिंह, अजय सिंह, ललित शुक्ला, ब्रजेश सुनेल, पंकज तिवारी और लक्ष्मण रावत सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

नगर संवाददाता, सतना।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुई। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

नशा मुक्त भारत सप्ताह का आयोजन 26 तक

सतना। भारत सरकार की नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान थीम के अंतर्गत 17 जून से 26 जून तक नशा मुक्त भारत सप्ताह मनाये जाने के निर्देश दिये गये है। अभियान का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न करना तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, नगरीय निकाय, पंचायत एवं अन्य संबंधित विभागों को अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी विभागों को अपनी कार्ययोजना, आयोजन स्थल एवं समय निर्धारित कर शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा गया है। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सप्ताह के दौरान जिला स्तरीय गतिविधि कैलेंडर तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। 17 जून को शुभारंभ एवं 26 जून को समापन कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता से आयोजित किए जाएंगे।

नीट परीक्षाः कलेक्टर-एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

नगर संवाददाता, सतना।

आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने गुरुवार को शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का संयुक्त रूप से भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्रों पर अभ्यर्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति, शौचालय, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त कर ली जाएं। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने एवं परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी। इस दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सीसीटीवी कैमरों की कार्य प्रणाली, कंट्रोल रूम व्यवस्था एवं प्रश्न पत्रों के सुरक्षित वितरण और संग्रहण की प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया। साथ ही सभी केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जन कल्याण शिविरों में 37083 आवेदनों का निराकरण, 6056 प्रकरण शेष

नगर संवाददाता, सतना।

राज्य शासन के निर्देशानुसार 12 से 18 जून तक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जनकल्याण शिविरों के सातवें दिन तक सतना जिले में कुल 43142 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 37086 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है, जबकि 6056 प्रकरण लंबित हैं, जिन पर कार्यवाही जारी है। जिले में आयोजित शिविरों में सतना नगर निगम क्षेत्र में 9603 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3582 का निराकरण कर दिया गया है और 6021 आवेदन लंबित हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत सोहावल में प्राप्त 3553 आवेदनों में से 3553 का निराकरण किया गया है। वहीं नागौद विकासखण्ड में 5365 आवेदन में 5365, जनपद पंचायत उचेहरा में 5676 में 5676 तथा मझगवां में 3755 में से 3755 आवेदनों का पूर्ण निराकरण किया गया। इसी प्रकार कोठी नगर परिषद में 2185 में से 2185, रामपुर बघेलान में 1286 में 1286, नागौद में 641 में 641, बिरसिंहपुर में 1765 में 1765, कोटर में 890 में 890, उचेहरा नगर परिषद में 2443 में 2443 तथा नगर परिषद जैतवारा में 2414 में 2414 आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण किया गया है।

डब्ल्यूसीआरएमएस का अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन

नगर संवाददाता, सतना।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ (डब्ल्यूसीआरएमएस) सतना मेन ब्रांच का द्विवार्षिक अधिवेशन गुरुवार को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के जबलपुर मंडल अध्यक्ष एस. एन. शुक्ला ने की। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल सचिव बी.डी.पी. अग्रवाल तथा सहायक मंडल सचिव संतोष त्रिवेदी उपस्थित रहे। इस दौरान दोनों शाखाओं के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में रेलकर्मी मौजूद रहे।

अधिवेशन का भावुक क्षण तब आया जब आगामी 30 जून को 40 वर्ष की गौरवशाली सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने जा रहे मंडल सचिव बी.डी.पी. अग्रवाल का सतना मेन ब्रांच द्वारा सम्मान किया गया। उन्हें मोमेंटो, शाल एवं श्रीफल भेंट कर उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। उपस्थित रेलकर्मियों ने उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।

अधिवेशन में आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें ब्रजेश सिंह को अध्यक्ष, विकास कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष, आनंद यादव को पुनः शाखा सचिव, दीपक गौतम को संगठन सचिव तथा ए.के. गुलशन को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसके अलावा राहुल गौतम को सहायक सचिव तथा मुकेश कुमार, शशिकांत मिश्रा, कमलेन्दु, एस.के. पाण्डेय और सुनील शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने रेल कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। नई टीम के गठन पर कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल रहा।

[बैठक] कलेक्टर ने की खरीफ फसल तैयारियों की समीक्षा

2 लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में ली जायेगी खरीफ की फसल

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों एवं संबंधित विभागों के समन्वय से खरीफ फसलों के साथ कृषि की सहायक गतिविधियां भी अपनाने के लिए प्रेरित करे। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कृषि उत्पादन आयुक्त की संभाग स्तरीय संभावित बैठक की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर ने गुरूवार को कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों की आवश्यकता के अनुसार यूरिया, डीएपी, फास्फेटिक, खाद पैक्स सोसायटी में उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि डीएपी खाद का वितरण केवल पैक्स सोसायटी से ही किया जाये। अन्य खाद डबल लॉक के विक्रय केन्द्रों पर दी जाये। सभी प्रकार की खाद की उपलब्धता और भण्डारण में पैक्स समितियों को प्राथमिकता दी जाये। शेष मात्रा का स्कंध डबल लाक वितरण केन्द्रों पर रखा जायेगा। उप संचालक कृषि ने बताया कि खरीफ सीजन में जिले में 2 लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी की जायेगी। जिसमें 2 लाख 10 हजार हेक्टेयर में धान फसल की बोनी होगी।

2 हजार किसान प्राकृतिक खेती कर रहे

शासन के निर्देशानुसार धान के रकबे को कम कर तिलहन, दलहन की फसलें अरहर, मूंग, उडद और सोयाबीन का रकबा बढाने किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। गत वर्ष जिले के 393 किसानों ने कोदो-कुटकी की फसल ली थी। इस वर्ष 6 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कोदो-कुटकी बोनी का लक्ष्य है। जिले में कुल 1 लाख 92 हजार 248 किसान है। जिनमें 1 लाख से अधिक केसीसी सक्रिय रूप से वैध है। जिले के 16 क्लस्टरों में 2 हजार किसान प्राकृतिक खेती कर रहे है।

की नवाचारों की समीक्षा

संभागीय यंत्री कृषि अभियांत्रिकी विष्णु सनोढिया ने बताया कि नरवाई नियंत्रण के लिए जिले में 176 सुपर सीडर और हैप्पी सीडर उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 150 सुपर सीडर, 10 हैप्पी सीडर, 10 स्मार्ट सीडर, 20 बेलर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिले के किसानों को डीएसआर पद्धति से धान की बोनी की सलाह दी जा रही है। बैठक में कलेक्टर ने उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता की गतिविधियां, योजनाओं की प्रगति और किये जा रहे नवाचारों की समीक्षा की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, सहायक संचालक राम सिंह बागरी, उप संचालक उद्यानिकी अनिल सिंह, उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. एपी सिंह, सहायक संचाालक मत्स्य अंजना सिंह भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नीट परीक्षा के लिए बनाया गया कंट्रोल रूम

रीवा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा नीट यूजी की परीक्षा 21 जून को आयोजित की जा रही है। रीवा जिले में 13 परीक्षा केन्द्रों में यह प्रवेश परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5015 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा में आवश्यक व्यवस्थाओं के समन्वय के लिए कलेक्ट्रेट रीवा में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया है कि कंट्रोल रूम का प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर राकेश चौरसिया को बनाया गया है। कंट्रोल रूम में परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास जीवेन्द्र सिंहए सहायक वर्ग दो आशुतोष पाण्डेय तथा भृत्य राहुल त्रिपाठी को तैनात किया गया है। प्रभारी अधिकारी सहित कंट्रोल रूम में तैनात सभी अधिकारी और कर्मचारी 21 जून को सुबह 8 बजे से तैनात रहेंगे। कंट्रोल रूम का फोन नम्बर 07662.255143 है। कंट्रोल रूम प्रभारी का मोबाइल नम्बर 6265666659 है।

गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में एक रात में चोरी की हुई थी दो वारदातें

पुलिस ने बरामद किया 12 लाख का सामान, 5 आरोपी गिरफ्तार

रीवा, नगर संवाददाता।

गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने एक ही रात में हुई ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल चोरी की दो वारदातों का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया पावर ट्रैक ट्रैक्टर, हीरो आई-स्मार्ट मोटरसाइकिल तथा घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन सहित करीब 12 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है। मामले को लेकर डीएसपी मुख्यालय उदित मिश्रा ने बताया कि ग्राम मड़वा में 15-16 जून की दरम्यानी रात नीलेश रजक का लगभग छह लाख रुपये कीमत का पावर ट्रैक ट्रैक्टर तथा कुछ दूरी पर खड़ी अजय सिंह की करीब एक लाख रुपये कीमत की हीरो आई-स्मार्ट मोटरसाइकिल अज्ञात चोरों ने पार कर दी थी। पीड़ितों की शिकायत पर गोविंदगढ़ थाने में

अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने दोनों वारदातों को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया ट्रैक्टर प्रयागराज जिले के हंडिया थाना क्षेत्र से तथा मोटरसाइकिल रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के खजुहा खुर्द गांव से बरामद की गई। जांच में मोटरसाइकिल की बिक्री में शामिल एक अन्य व्यक्ति का नाम सामने आने पर उसे भी आरोपी बनाया गया।

इन आरोपियों के गिरेबान में पहुंचा पुलिस का हाथ

पुलिस ने चोरी के मामले में रमेशचंद्र दुबे 45 वर्ष निवासी खजुरी थाना कोरांव, प्रयागराज, शरद पाण्डेय 29 वर्ष निवासी घुमड़ा थाना गुढ़, अजीत वर्मा उर्फ अजय 29 वर्ष निवासी पंखा टोला शंकरगढ़, प्रयागराज, राजीव कुमार पाण्डेय 21 वर्ष निवासी नौवस्ता थाना चोरहटा एवं अमरीश द्विवेदी 22 निवासी खजुहा थाना गुढ़ के गिरेबान में हाथ डालते हुए गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। इस कार्रवाई को गोविंदगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौर सहित पुलिस टीम ने अंजाम दिया।

बिछिया नदी के किनारे चल रहा अवैध प्लाटिंग का खेल

निगमायुक्त ने लिया संज्ञान, हो सकती है जांच

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा शहर में नदी नालो के तट पर किये जा रहे अवैध कब्जे और प्लाटिंग का खेल लगातार जारी है। ताजा मामला रीवा शहर के कुठुलिया स्थित वार्ड क्रमांक 45 में बिछिया नदी का है, जहां इन दिनों नदी के तट पर कब्जा कर प्लाटिंग का खेल धडल्ले से खेला जा रहा है। यहां सक्रिय भू माफिया नदी से 50 मीटर के दायरे में आने वाली जमीन को निजी पटटे में दर्ज करा उस पर कब्जा कर प्लाटिंग का खेल खेल रहे है। हांलाकि स्थानीय लोगो नें विरोध भी दर्ज कराया लेकिन प्रशासनिक व पुलिस अमले को बुलाकर न सिर्फ दबाव बनाया जा रहा है बल्कि उन्हे डराया धमकाया भी जा रहा है। वही अब इस मामले को नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन नें भी संज्ञान में लिया है, जिन्होंने जांच करा अवैध प्लाटिग पर रोक लगाने और कार्यवाही की बात कही है। बताया जा रहा है कि बीते दिवस निगम आयुक्त नें खुद वार्ड क्रमांक 45 का निरीक्षण किया था, जिस दौरान क्षेत्र मे तेजी से की जा रही अवैध प्लॉटिंग और विकसित हो रही अवैध कालोनी पर कार्यवाही के निर्देश दिये थे।

नदी तट के किनारे 50 मीटर के दायरे को बना लिया निजी पट्टे की जमीन- स्थानीय लोगो की माने तो कुठुलिया मे नदी के किनारे 50 मीटर का दायरा शासकीय खसरे में दर्ज था। लेकिन उक्त भूमि को कुछ दबंग व भू माफिया अपने निजी पटटे की भूमि बताकर उस पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे है।

उद्यानिकी कार्यशाला और आम महोत्सव का हुआ शुभारंभ

32 किस्म के आमों के लगाए गये स्टॉल

रीवा, नगर संवाददाता।

उद्यानिकी विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी मिशन योजना के तहत दो दिवसीय उद्यानिकी कार्यशाला और आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने सहायक संचालक उद्यानिकी कार्यालय में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि खेती को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को उद्यानिकी फसलों के लिए प्रेरित करें। जिले की मिट्टी और मौसम में सभी प्रमुख उद्यानिकी फसलें ली जा सकती हैं। रीवा संभाग को परंपरागत रूप से आमों के उत्पादन के लिए जाना जाता है। रीवा जिले के सुंदरजा आम को जीआई टैग मिल

चुका है। आम के साथ-साथ कटहल, अमरूद, नींबू,पपीता, केला तथा अन्य फलों की खेती सफलतापूर्वक की जा रही है। कई उन्नत किसान ड्रैगन फरूट और चेरी की भी खेती कर रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि जिले में सभी प्रमुख सब्जियों का भी अच्छा उत्पादन हो रहा है। सब्जी, फलए फूल तथा मसालों की खेती के क्षेत्र विस्तार के लिए प्रयास करें। कार्यशाला में अतिथियों का स्वागत करते हुए सहायक संचालक उद्यानिकी श्रीमती दीक्षा चौरे ने विभागीय योजनाओं तथा उद्यानिकी फसलों की जानकारी दी। कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ.राजेश सिंह ने आम, अमरूद, कटहल, नींबू,पपीता तथा अन्य उद्यानिकी फसलों की उन्नत तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में कलाकार सुरेन्द्र कुमार शुक्ला ने जल संरक्षण तथा खेती से जुड़े प्रेरक गीत सुनाए। कार्यशाला के साथ आयोजित आम महोत्सव में जिले की शासकीय नर्सरियों से उत्पादित 32 किस्मों के आमों के स्टॉल लगाए गए। कार्यशाला का संचालन रवि सिंह बघेल द्वारा किया गया।

विवि.रोड में बने ड्रेनेज सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

निर्माण कार्य की तकनीकी जांच करानी चाहिएः विनोद शर्मा

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर के विश्वविद्यालय रोड पर निर्मित ड्रेनेज सिस्टम को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय निरीक्षण के दौरान यह देखने को मिला कि ड्रेनेज नाली सड़क स्तर से लगभग 2 फीट ऊंची बनाई गई है, जबकि सामान्यतः जल निकासी के लिए नालियों का निर्माण निचले स्तर पर किया जाता है ताकि वर्षा का पानी आसानी से बह सके। बताया जा रहा है कि जिस मुख्य नाली या जल निकासी मार्ग से ड्रेनेज सिस्टम को जुड़ना चाहिए था, उसका इस निर्माण से कोई स्पष्ट लिंकअप दिखाई नहीं देता। ऐसे में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए इस प्रोजेक्ट की उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे

हैं। मौके पर पहुंचे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विनोद शर्मा ने आरोप लगाया कि यह निर्माण कार्य विकास के नाम पर धन के दुरुपयोग का उदाहरण प्रतीत होता है। उनका कहना है कि यदि ड्रेनेज सिस्टम का उचित तकनीकी डिजाइन और निकासी व्यवस्था नहीं है, तो जनता के पैसे से किए गए ऐसे निर्माण का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। विनोद शर्मा का कहना है कि संबंधित विभाग को निर्माण कार्य की तकनीकी जांच करानी चाहिए तथा यह स्पष्ट करना चाहिए कि ड्रेनेज सिस्टम का वास्तविक जल निकासी मार्ग क्या है और यह भविष्य में किस प्रकार उपयोगी सिद्ध होगा। फिलहाल यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग निर्माण की गुणवत्ता व योजना पर सवाल उठा रहे हैं।

बेपटरी हो रही मऊगंज सिविल अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

सफाईकर्मी लगा रहीं इंजेक्शन, चढ़ा रहीं सलाइन, वीडियो वायरल

रीवा, नगर संवाददाता।

मऊगंज जिला की सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला बनने के करीब तीन साल बाद भी अस्पताल में व्यवस्थाएं पटरी पर नहीं आ सकी हैं। ताजा मामला सिविल अस्पताल के जनरल वार्ड का है, जहां एक महिला सफाईकर्मी मरीजों को इंजेक्शन लगाने और स्लाइन यानी बाटल चढ़ाने का काम करती हुई कैमरे में कैद हो गई। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि गुरुवार दोपहर करीब 1.45 बजे सिविल अस्पताल के ओपीडी

स्थित जनरल वार्ड में एक महिला मरीजों को इंजेक्शन लगाते और सलाइन चढ़ाते हुए दिखाई दी। उक्त महिला एक-दो नहीं बल्कि लगातार कई मरीजों को इंजेक्शन लगाती नजर आई। पूछताछ में महिला की पहचान नेहा के रूप में हुई। बताया गया कि वह अस्पताल में स्वच्छता व्यवस्था और अन्य सहयोगी कार्यों से जुड़ी हुई है। स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों का आरोप है कि वह अक्सर अस्पताल में इंजेक्शन लगाने और बोतल चढ़ाने का काम करती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद एक गैर-अधिकृत कर्मचारी मरीजों का उपचार संबंधी कार्य कैसे कर रही थी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बिना प्रशिक्षण के इंजेक्शन लगाने या सलाइन चढ़ाने से मरीजों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। मामला सामने आने के बाद ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रद्युम्न ने जांच कराने की बात कही है। उनका कहना है कि संबंधित महिला किसके निर्देश पर यह काम कर रही थी और इसकी अनुमति किसने दी, इसकी जांच की जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने सीएमएचओ और बीएमओ को दिए जांच के आदेश

इस पूरे मामले को कलेक्टर संजय कुमार जैन ने गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि वीडियो उनके संज्ञान में आया है और प्रथम दृष्टया यह कार्य गलत प्रतीत होता है। कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी और बीएमओ को तत्काल जांच एवं कारवाई के निर्देश दिए हैं। बीमार मरीजों के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी गंभीरता से क्यों नही लेते यह बड़ा सवाल है। इसके साथ ही जिला अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है और आखिर कब तक ऐसी लापरवाही मरीजों की जान को जोखिम में डालती रहेगी।

जनकल्याण शिविरों में 39577 आवेदनों का हुआ निराकरण

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले में 12 से 18 जून तक जनपद पंचायतों तथा नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में आमजनता से 41830 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 38594 आवेदन पत्र मंजूर किए गए। अलग.अलग कारणों से 983 आवेदन पत्र अमान्य किए गए। इस प्रकार इन शिविरों में कुल 39577 आवेदन पत्रों का निराकरण हुआ। शेष 2253 आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में जनपद पंचायत जवा में 12394 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 11690 आवेदन मंजूर किए गए हैं। जनपद पंचायत रीवा में 9501 प्राप्त आवेदन पत्रों में से 9316 मंजूर किए गए हैं। जनपद पंचायत गंगेव में प्राप्त 7964 आवेदनों में से 7788 को मंजूरी दी गई है। जनपद पंचायत सिरमौर में 5132 प्राप्त आवेदनों में से 4884 स्वीकृत किए गए। जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में 1076 प्राप्त आवेदनों में से 1069 तथा जनपद पंचायत त्योंथर में 968 प्राप्त आवेदन पत्रों में से 854 को मंजूरी दी गई है। रीवा नगर निगम क्षेत्र में आयोजित शिविरों में 1153 आवेदन पत्र स्वीकृत किए गए हैं। शिविरों में कुल 1983 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। नगर परिषद मनगवां में 542 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 338 स्वीकृत किए गए।

किसानों को 300 करोड़ के ऋण का करेगा वितरण

जिला सहकारी बैंक को 71.80 करोड़ का लाभ

रीवा, नगर संवाददाता।

जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक रीवा अपने बैंकिंग कारोबार में तेजी से वृद्धि कर रहा है। बैंक को वर्ष 2025 में 6 करोड़ 39 लाख रुपए का लाभ हुआ था। बैंक को वर्ष 2026 में अब तक 71 करोड़ 80 लाख रुपए का लाभ हुआ है। इस संबंध में महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में किसानों को तीन सौ करोड़ रुपए के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। सहकारी बैंक की सभी शाखाएं कम्प्यूटराइज्ड हो गई हैं। बैंक में वर्तमान में सहकारी समिति में 88273 किसान सदस्य हैं। बैंक का व्यवसाय बढ़ाने के लिए किसानों की सदस्यता बढ़ाने का अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है। अब तक 25 हजार से अधिक किसानों को सदस्यता फार्म का वितरण किया जा चुका है। अब तक 4386 किसानों द्वारा सदस्यता फार्म तथा प्रवेश शुल्क एवं अंश

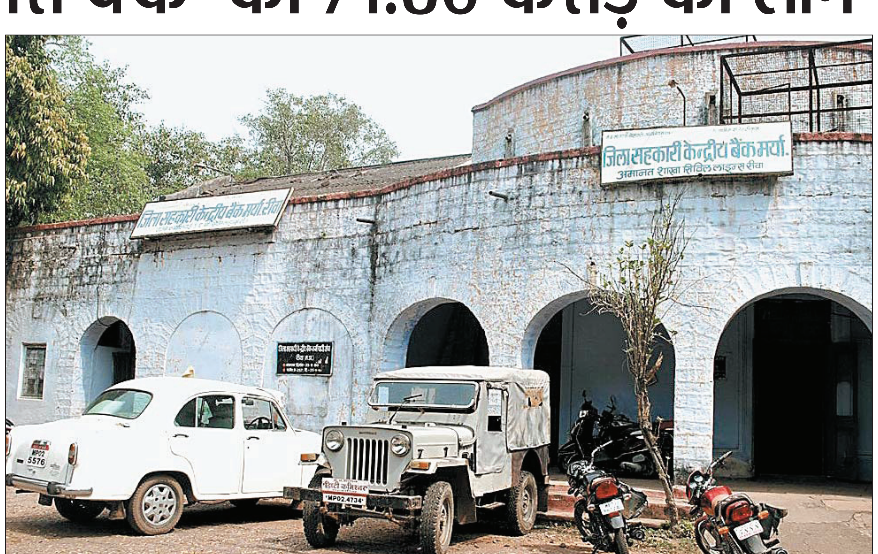

पूंजी की 600 रुपए की राशि जमा कर दी गई है।

इस वर्ष 25 हजार किसानों को सहकारी बैंक और सहकारी समितियों का सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। महाप्रबंधक ने बताया कि 2025 में खरीफफसल के लिए 135 करो? 8 लाख रुपए का अल्पकालीन फसल ऋण वितरित किया गया। जिसमें से 129 करोड़ 68 लाख रुपए की वसूली हो चुकी है। रबी फसल 2025.26 में 110 करोड़ 56 लाख रुपए का अल्पावधि फसल ऋण वितरित किया गया। इसमें से 88 करोड़ 65 लाख रुपए की वसूली 10 जून तक हो चुकी है। बैंक की अन्य लंबित राशियों की भी वसूली के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण देकर खेती को उन्नत बनाने के प्रयासों में बैंक द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

रीवा के तस्करों का दिल्ली तक नेटवर्क

फर्च्यूनर कार में लोड मिली 15 बोरी ओनेरेक्स सिरप, दो गिरफ्तार

रीवा, नगर संवाददाता।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस ने नशीली कफ सिरप की तस्करी का बड़ा खुलासा करते हुए रीवा के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 7.25 लाख रुपये कीमत की 3600 शीशियां बरामद की गई हैं। पुलिस को आशंका है कि इसके पीछे अंतरराज्यीय नेटवर्क सक्रिय है, जो दिल्ली से विंध्य क्षेत्र तक नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहा है। जानकारी के अनुसार यूपी के सेक्टर-20 थाना पुलिस और यातायात पुलिस ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर संयुक्त रूप से वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान फिल्म सिटी के पास एक्सप्रेसवे से उतर रहे एक संदिग्ध फॉर्च्यूनर वाहन को रोककर तलाशी ली गई। जांच में कार के भीतर रखे 15 बोरों से ओनेरेक्स-100 एमएल ब्रांड की 3600 शीशियां बरामद हुईं।

पुलिस ने मौके से रीवा जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत करहिया निवासी पीयूष वर्मा और कपिल विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे नशीली कफ सिरप की खेप को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का काम करते थे। जांच एजेंसियों को शक है कि दिल्ली से मध्यप्रदेश के विंध्य क्षेत्र तक नशीली कफ सिरप की सप्लाई करने वाला एक संगठित गिरोह सक्रिय है। मामले में तीन अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़िया जोडने़ और इसके अन्य सदस्यों तक पहुंचने में जुटी हुई है।

अन्तर्राज्यीय स्तर पर काम कर रहा बड़ा नेटवर्क

लग्जरी वाहनों के जरिए नशीली कफ सिरप की तस्करी का यह मामला सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। माना जा रहा है मादक मेडिकल सिरप मामले में अन्तर्राज्यीय स्तर बड़ा गिरोह काम कर रहा है। इस गिरोह में विंध्य क्षेत्र के लड़कों को हैंक कर उन्हें नशे के इस कारोबार को फैलाने की कोशिश की जा रही है, जिसके तार दिल्ली और उत्तर प्रदेश से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में अपने स्तर से काम कर रही है।

संपादकीय

अब सत्ता ही 'जनार्दन'

अभी तक यह कहा जाता था कि जनता 'जनार्दन' होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी सार्वजनिक मंचों से यह कई बार स्वीकार किया है और चुनाव के बाद जनता के सामने नतमस्तक भी हुए हैं। दरअसल लोकतंत्र के शास्त्रीय अर्थ तो यही हैं, क्योंकि जनता ही जन-प्रतिनिधि चुनती है। प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, कद्दावर नेताओं को खारिज कर सत्ता से बाहर भी करती रही है, लेकिन अब भाजपा नए किस्म की राजनीति गढ़ रही है। फिलहाल पश्चिम बंगाल का ही उदाहरण लें। भाजपा ने चुनाव में 15 साल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को करारी पराजय दी है। यह जनादेश स्पष्ट है, लेकिन भाजपा इसी से संतुष्ट नहीं है। तृणमूल के भीतर बगावत, टूट और पाला-बदल कोई वैचारिक और नैतिक नहीं है। दरअसल भाजपा तृणमूल को तोड़ कर, अंततः ममता बनर्जी को 'पार्टीहीन' करने पर आमादा है। दिलचस्प यह है कि बंगाल में तृणमूल का बागी गुट प्रमुख विपक्षी दल है, लिहाजा उसके नेता ऋतब्रत बनर्जी को स्पीकर ने 'नेता प्रतिपक्ष' की मान्यता दी है। दिल्ली में तृणमूल के 20 लोकसभा सांसदों ने 'अलग गुट' के तौर पर, बैठने की अलग व्यवस्था करने के लिए, स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है। सांसदों का बागी गुट एनडीए को समर्थन देना चाहता है। बाद में वे भाजपा में भी विलीन हो जाएं, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। सहज सवाल यह है कि आखिर विपक्ष कौन है? तृणमूल विपक्षी दल है अथवा एनडीए का संभावित घटक! बंगाल में विधायकों और सांसदों को जनादेश क्या मिले थे? अब कमोबेश सांसद सत्ता-समर्थक हो रहे हैं। यह कौन-सी राजनीति या जनादेश की स्वीकृति है? क्या अब संवैधानिक शुचिता या नैतिकता की बात करना ही छोड़ दें? सर्वोच्च अदालत ने भी विभाजन, टूट-फूट विधायक अथवा संसदीय दल में नहीं माना था। शीर्ष अदालत पार्टी के भीतर दोफाड़ और दलबदल को 'विभाजन' मानती है, लिहाजा तृणमूल के भीतर भाजपा जो करवा रही है, वह असंवैधानिक है। ममता बनर्जी को इसकी पर्याप्त जानकारी होगी, तभी उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तय करने के स्पीकर के फैसले को कोलकाता उच्च न्यायालय में चुनौती दे रखी है। रविवार को मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी एक बार फिर बागी सांसदों की बैठक में उपस्थित रहे। यदि तृणमूल के तिनका-तिनका होने या करने में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है, तो केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री बागी चेहरों से लगातार, बार-बार, मुलाकातें क्यों कर रहे हैं? क्या बार-बार चाय पीने का मन करता है? दरअसल इस राजनीति ने नया मुहावरा यह गढ़ दिया है कि अब विपक्ष भी 'सत्तामय' होगा! कोई ताकतवर, प्रतिद्वंद्वी विपक्ष नहीं होगा! यदि राजनीतिक तौर पर किसी दल या जन-प्रतिनिधि को जिंदा रहना है, तो भाजपा के मुताबिक ही चलना पड़ेगा। अब चुनाव के दौरान भी जनता नहीं, सत्ता और उसके प्रबंध नहीं, 'जनार्दन' होंगे! क्या इसी तरह धीरे-धीरे लोकतंत्र का लोप होगा? दरअसल यह क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व खत्म करने की बड़ी राजनीतिक साजिश है। उन्हें जेल जाने के खौफ दिखाए जा रहे हैं, ईडी और सीबीआई को निरंकुश कर दिया गया है, अब पुलिस रात के अंधेरे में भी, किसी भी नेता के घर में, घुस सकती है। बहरहाल भाजपा तृणमूल के 20 सांसद तोड़ ले और द्रमुक के 22 सांसदों का समर्थन जुगाड़ ले, फिर भी लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत नहीं होगा। अभी शिवसेना (उद्धव) के भी सांसद तोडने् की रणनीति पर विचार किया जा रहा है। ऐसे माहौल में सर्वोच्च अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि संविधान ने उसे कई विशेष शक्तियां दी हैं। चुनाव आयोग तो पहले से ही 'भाजपा का भोंपू' बना है।

काफ्का, कॉकरोच और कोलाहल

युवाओं को असहमति जताने का सही तरीका सीखना बाकी है

कॉकरोच आंदोलन काफ्का के किसी उपन्यास की नहीं, बल्कि कोलाहल की वह कहानी है, जिसका संदर्भ युवा ढूंढ ही रहे थे। डिजिटल फ्री-फॉर-ऑल के युग में यह लोकतंत्र की तरफ से उन युवाओं को मिली छूट है, जिन्हें अभी असहमति जताने का सही तरीका सीखना बाकी है।

एस प्रसन्नराजन

यह सब मानो फ्रांज काफ्का के किसी उपन्यास की कहानी नहीं, बल्कि असल जिंदगी की सच्चाई बन गया हो। जब निराश भारतीय युवा एक उदास सुबह बुरे सपने से जागे, तो उन्हें लगा जैसे वे अपने बदहाल देश में विशाल कॉकरोच बन गए हैं। यह बदलाव भी उस व्यवस्था में अस्वाभाविक नहीं लगता, जहां राष्ट्रीय परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से बहुत पहले ही युवाओं की उम्मीदें दम तोड़ चुकी थीं। जहां बड़े सपने देखने वाले युवाओं को देश के संसाधनों को बेकार करने वाला और बोझ समझा जाता है, वहां 'कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)' जैसे विचार का जन्म होना तो लगभग तय ही था।

लेकिन सवाल यह है कि क्या सचमुच में ऐसा है? विरोध के प्रतीक के रूप में अमर कॉकरोच की कल्पना भारत के कई लोगों को आकर्षित कर सकती है। आखिर कौन ऐसा नहीं बनना चाहेगा, जो किसी फिल्मी नायक की तरह व्यवस्था की गंदगी साफ करने के लिए आगे आ सके, जबकि अधिकांश लोग अपने साफ-सुथरे हाथ गंदे करने से कतराते हैं? एक समय आम आदमी पार्टी (आप) को शहरी मध्यम वर्ग का जो व्यापक समर्थन मिला था, उसके पीछे भी तो कुछ हद तक यही मानसिकता काम कर रही थी। आमतौर पर माना जाता है कि व्यंग्य विरोध का एक प्रभावी हथियार होता है। हंसी निश्चित रूप से एक प्रतिक्रिया हो सकती है, और साहित्य तथा राजनीति, दोनों में इसकी समृद्ध परंपरा रही है। परंतु, जब हंसी के पीछे कोई नैतिक आधार न हो और वह तर्क-वितर्क का स्थान लेने लगे, तो वह गंभीर प्रतिरोध नहीं रह जाती, बल्कि केवल एक सतही और गैर-जिम्मेदार गतिविधि बनकर रह जाती है। आखिरकार, कॉकरोच हमेशा अंधेरे कोनों में ही रेंगते हैं।

यहां शायद आज के समय को समझने के लिए एक छोटे-से फुटनोट की जरूरत है, भले ही वह थोड़ा मजाकिया हो। बैरिकेड्स तोड़ने और सड़कों पर विरोध के जोश के रोमांच को महसूस करने के लिए हमें साठ के दशक में वापस जाने की जरूरत नहीं है। हाल के वर्षों में गाजा ने यही भूमिका निभाई है। उसने युवाओं को कक्षाओं की सीमाओं से बाहर निकालकर विरोध के चौराहों तक पहुंचा दिया, और लगातार बमबारी झेल रहे फलस्तीन को आजादी व न्याय की वैश्विक आवाज का प्रतीक बना दिया।

इस्राइल को लेकर दुनिया के बदलते रुख और नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार से दूरी बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति उस नैतिक माहौल का परिणाम है, जिसे उस युवा पीढ़ी ने आकार दिया है, जिसे कभी आलोचकों ने 'स्नोफ्लेक्स' कहकर कमजोर और अत्यधिक संवेदनशील बताकर खारिज कर दिया था। यह सच है कि कहीं-कहीं छिपे यहूदी-विरोधी पूर्वाग्रहों ने नैतिक बहस को धुंधला किया है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि युवाओं के इस पीढ़ीगत गुस्से ने दुनिया भर में बहस और विमर्श की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पीछे मुड़कर देखें, तो मिस्र के तहरीर स्क्वायर और दुनिया के कई अन्य स्थानों पर हुए युवा आंदोलनों की ताकत भीड़ की नैतिक ऊर्जा से ही पैदा हुई थी। और तियानमेन में, नारों का जवाब टैंकों से दिया गया था, और हमें आज भी नहीं पता कि शहादत की ओर बढ़ने वाला वह अकेला व्यक्ति कौन था। लेकिन, केवल भीड़ जुट जाने से कोई आंदोलन सफल नहीं हो जाता। जब चौराहे खाली हुए और जेलें भर गईं, तब अपेक्षित आजादी नहीं आई। इसकी एक बड़ी वजह यह थी कि गुस्से से भरी भीड़ तो थी, लेकिन उसे दिशा देने वाला कोई ऐसा नेतृत्व नहीं था, जो बेहतर कल का वादा कर रहा हो। इसके बावजूद, इन आंदोलनों ने तानाशाही व्यवस्थाओं के भीतर भय पैदा किया और कुछ मामलों में शासकों को अपनी कठोर छवि छोड़कर अधिक मानवीय चेहरा दिखाने के लिए मजबूर भी किया।

जब गैर-राजनीतिक आंदोलनों में नैतिक एकजुटता और भविष्य को लेकर स्पष्टता होती है, तो वे व्यवस्था को चुनौती देने वाली राजनीति में बदल जाते हैं। आजादी और बदलाव की हर बड़ी लड़ाई में कोई न कोई ऐसा चेहरा उभरा है, जो लोगों की नाराजगी को सही ढंग से पेश करता रहा है। गैर-राजनीतिक राजनीति के सबसे प्रेरक उदाहरणों में 1989 की वेलवेट क्रांति प्रमुख है, जहां वाक्लाव हावेल ने केंद्रीय भूमिका निभाई। उस दौर में 'वी द पीपल', यानी 'हम लोग' का विचार तानाशाही के खिलाफ एक शक्तिशाली जवाब बनकर उभरा। प्राग के 'मैजिक लैंटर्न' थिएटर में एक शौकिया व्यक्ति के संकल्प के रूप में शुरू हुआ यह आंदोलन आगे चलकर साम्यवादी शासन के खिलाफ एक सफल जनतांत्रिक तर्क और संघर्ष में बदल गया। यह आंदोलन इसलिए सफल हो सका, क्योंकि विरोध की नैतिकता को आकार देने, गैर-राजनीतिक राजनेता होने का मतलब समझाने और सच्चाई के साथ जीने का अनुभव दिखाने के लिए हावेल जैसा एक नेता मौजूद था। भारत में भी शुरुआत में आम आदमी पार्टी (आप) की कहानी में एक नई राजनीतिक शुरुआत वाली वही गैर-राजनीतिक भावना दिखाई दी थी। लेकिन सत्ता ने उस आदर्श को खत्म कर दिया।

क्या डिजिटल फ्री-फॉर-ऑल के युग में असहमति को कॉकरोच ही मिलते हैं? जब किसी तर्क को खारिज करने के लिए सोशल मीडिया पर एक तीखा हमला ही पर्याप्त हो, और गुमनामी की आड़ में की जाने वाली ट्रोलिंग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को शोर-शराबे में बदल दे, तब डिजिटल दुनिया में असहमति एक नैतिक तमाशा बनकर रह जाती है।

इसी परिदृश्य में उभरी कॉकरोच जनता पार्टी, जिसका नाम भारत के मुख्य न्यायाधीश की एक चर्चित टिप्पणी से प्रेरित बताया जाता है, एक अपमानजनक उपमा को विरोध के प्रतीक में बदलने की कोशिश करती है। उनका संदेश न तो पूरी तरह स्पष्ट है और न ही हमेशा सुसंगत। उनकी संक्षिप्त मांगें अपने आप इस डिजिटल अभियान को गंभीरता नहीं देतीं। असली मुद्दा यह है कि डिजिटल इको-चैंबर में बिखरी हुई ये आवाजें लोकतंत्र के भीतर अपनी जगह और पहचान कैसे तलाश रही हैं।

उनकी नजर में ऐसा भारत, जहां न्याय की कमी हो, वहां लोकतंत्र केवल एक दिखावा है। और जब किसी वजह को संदर्भ की तलाश होती है, तो देश की ऐसी तस्वीर सामने आना स्वाभाविक है। और अगर संदर्भ मौजूद न हो, तो उसे गढ़ भी लिया जाता है। बिना न्याय वाली जमीन पर वी द कॉकरोचेस (हम तिलचट्टे) कोई जंग का नारा नहीं है। शायद यह लोकतंत्र की तरफ से उन डिजिटल रूप से लैस युवाओं को मिली छूट है, जिन्हें अभी असहमति जताने का सही तरीका सीखना बाकी है।

तृणमूल के बाद शिवसेना?

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

लोकतन्त्र में राजनीति कभी भी निर्वात (खाली स्थान) में विचरण नहीं करती है, बल्कि लोगों की जनांकाक्षाओं की पूर्ति के लिए एक निर्दिष्ट सिद्धान्तावली के आधार पर चलती है। सिद्धान्तों व विचारधारा के अनुसार ही इस प्रणाली में विभिन्न राजनीतिक दलों का गठन होता है मगर सबका लक्ष्य एक ही होता है कि वे अपने-अपने रास्ते के अनुसार देश के लोगों व समाज और राष्ट्र का विकास करें और इसे चहुंदृष्टि से समृद्ध बनायें। इसीलिए राजनीति में यह माना जाता है कि यह आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुन्दर और सुरक्षित बनाने का मार्ग होती है परन्तु इसके लिए वर्तमान की राजनीति को विशुद्ध सिद्धान्तवादी मार्ग पर चलते हुए ही भविष्य का मार्ग खोजा जा सकता है।

भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के आन्दोलन में इस सिद्धान्त की जड़ें छिपी हुई हैं जिसमें महात्मा गांधी के नेतृत्व में इस देश के लोगों ने अपनी आजादी की लड़ाई को एक जनान्दोलन में तब्दील किया और स्वयं के गणतन्त्र कहलाने का अधिकार पाया। इस गणतन्त्र की सफलता के लिए जरूरी था कि स्वतन्त्र भारत के प्रत्येक नागरिक को उन अधिकारों से लैस किया जाये जिनकी बदौलत वह अपने बीच से ही अपने नेतृत्व का चुनाव कर सके और उसका शासक किसी राजघराने में पैदा होने के आधार पर उसका भाग्य विधाता न बन सके। इसके लिए स्वतन्त्र भारत में प्रत्येक नागरिक को एक वोट का अधिकार दिया गया और प्राधिकृत किया गया कि इसका इस्तेमाल करने पर वह अपना भाग्य विधाता स्वयं ही बन सकता है।

मगर वर्तमान समय में हम जो विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच टूट-फूट देख रहे हैं और केवल सत्ता पाने की खातिर सिद्धान्तों की बलि का नजारा कर रहे हैं उसका असली कारण पिछले चार दशकों में भारतीय राजनीति में व्याप्त सिद्धान्त विहीनता ही है जिसकी शुरूआत हम कांग्रेस के 1969 में हुए पहले विघटन से मान सकते हैं। उस समय सत्ता पर काबिज प्रधानमन्त्री स्व. इन्दिरा गांधी ने अपनी पार्टी को दो हिस्सों में केवल इसलिए बांट दिया था कि वह राष्ट्रपति पद पर अपने मनपसन्द उम्मीदवार स्व. वी.वी. गिरी को चाहती थीं। तब उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति द्वारा घोषित राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार स्व. नीलम संजीव रेड्डी का विरोध किया और पार्टी के उस अनुशासन को तोड़ डाला था जिससे कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता बंधा हुआ होता था।

अत: जब कांग्रेस दो हिस्सों में बट गई तो उन्होंने सत्ता में बने रहने के खातिर उस भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का समर्थन लिया जिस पर भारत के आजाद होते ही उनके पिता प्रथम प्रधानमन्त्री स्व. जवाहर लाल नेहरू ने प्रतिबन्ध लगा दिया था। उन्होंने इस प्रतिबन्ध को तभी हटाया जब कम्युनिस्टों ने भारत की संसदीय प्रणाली के लोकतन्त्र में अपनी पूरी निष्ठा व्यक्त करते हुए भारतीय संविधान को अंगीकार किया और यह स्वीकार किया कि वे चुनावों के माध्यम से पूर्ण अहिंसक तरीके से सत्ता परिवर्तन के सिद्धान्त को स्वीकार करते हैं।

90 के दशक में भारत में एक और आधारभूत परिवर्तन हुआ कि इसकी अर्थव्यवस्था विदेशी कम्पनियों के लिए खोल दी गई और विदेशी निवेश के भरोसे भारत के विकास की परिकल्पना मूर्त रूप लेने लगी। यह ऐसा परिवर्तन था जिसका देर-सबेर राजनीति पर गुणात्मक प्रभाव पड़ना लाजिमी था, क्योंकि किसी भी देश की अर्थ नीति उसकी राजनीति को प्रभावित किये बिना नहीं रह सकती। अत: खुले बाजारवाद की अर्थ नीति ने भारत के आधारभूत ढांचे के मूल मानकों जैसे शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्रों को भी अपने कब्जे में लेना शुरू किया और इनमें विशुद्ध मुनाफे की प्रवृत्ति को जन्म दिया जिससे लोगों के एक वोट से चुनी गई उनकी अपनी सरकारों की जवाबदेही लगातार कम होती चली गई । इसका असर राजनीति पर इस प्रकार पड़ा कि भारतीय राजनीतिक दलों की चुनाव लड़ने के लिए अपनी सैद्धान्तिक ताकत लगातार कम होती चली गई और उसका स्थान धनशक्ति लेती चली गई।

वरना सोचिये कि 1974 में शुरू हुए जिस जेपी आन्दोलन का मूल आधार यह था कि चुनाव प्रणाली में सुधार होना चाहिए और चुनावों को सस्ता बनाया जाना चाहिए, उसका जिक्र करते हुए आज हर राजनीतिक दल क्यों घबराता है? दरअसल राजनीति में आया हुआ ऐसा स्वाभाविक बदलाव है जो वर्तमान सामाजिक चेतना को भी परिलक्षित करता है। यह बेवजह नहीं है कि आज प. बंगाल में ममता दीदी की तृणमूल कांग्रेस के बुरी तरह हार जाने के बाद इस पार्टी के सांसद बगावत कर रहे हैं और दूसरे नम्बर पर अब महाराष्ट्र की उद्धव गुट की शिवसेना के सांसद बागी होने के मुहाने पर बैठे हैं। इसका मूल कारण यह है कि ये सांसद राजनीति के सत्तापरक समीकरणों को ही जनसेवा का असली जरिया मानते हैं।

वे सोचते हैं कि सत्ता के निकट रहते हुए वे अपने क्षेत्र के लोगों की सेवा बेहतरी के साथ कर सकते हैं। मगर दूसरा बड़ा और वृहद कारण यह है कि बाजारमूलक अर्थव्यवस्था ने विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच की सैद्धान्तिक दूरियों को समाप्त कर दिया है। अत: नेताओं के दल बदलने से अब राष्टनीतियों पर फर्क ही नहीं पड़ता, क्योंकि खुले बाजारवाद की नीति 1991 में कांग्रेस लेकर आयी जिस पर इसके बाद केन्द्र में गठित हर दल की सरकार चल रही है । इसने सैद्धान्तिक मतभेदों को बहुत ही संकीर्ण कर दिया है क्योंकि सरकारी कम्पनियों में विनिवेश तो कांग्रेस ने ही शुरू किया। कुल मिलाकर राजनीति का यह वह दौर है जिसमें विचारधारा का सत्ता समीकरणों से कोई लेना-देना नहीं है।

जीवन धारा: क्षितिज सीमा नहीं निमंत्रण है आगे बढ़ने का

सबसे बड़ी बाधा आपके सामने खड़ा पर्वत नहीं, बल्कि भीतर की वह आवाज है, जो कहती है कि आप उस पर चढ़ नहीं सकते। जब आप उस आवाज को सवालों के घेरे में लाना सीख जाते हैं, तब दुनिया बदलने लगती है।

मैंने अपने जीवन में पर्वतों से अधिक ऊंची दीवारें देखी हैं। वे पत्थर, बर्फ या चट्टानों की नहीं थीं, वे मेरे अपने मन में खड़ी थीं। लोग मुझे एक पर्वतारोही और ध्रुव यात्री के रूप में जानते हैं, पर एक समय था, जब मेरी पहचान रग्बी के मैदान से जुड़ी थी। मुझे लगता था कि मेरा भविष्य स्पष्ट है। मैं जानता था कि मैं कौन हूं और मुझे कहां पहुंचना है। फिर एक दिन सब बदल गया। एक गंभीर चोट ने मेरे खेल जीवन का अंत कर दिया। उस समय मेरे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं था कि मैं आगे क्या करूंगा, बल्कि यह था कि अब मैं हूं कौन? तब मुझे पहली बार समझ में आया कि मनुष्य की सबसे बड़ी लड़ाई अपने भीतर उठने वाले भय, संदेह व असुरक्षा से होती है। मैंने महसूस किया कि चोट मेरे शरीर में नहीं, बल्कि विश्वास को लगी थी। मेरे मन ने मुझे बताना शुरू कर दिया कि अब मेरे सर्वश्रेष्ठ दिन बीत चुके हैं, आगे कुछ भी नया संभव नहीं है। लेकिन, धीरे-धीरे मैंने एक बात समझी। जब हम किसी मुश्किल दौर का सामना करते हैं, तो अक्सर हकीकत से मुंह मोड़ लेते हैं और अपनी कल्पनाओं, आशंकाओं तथा डर में जीने लगते हैं।

जब मैंने पहली बार पर्वतों की ओर कदम बढ़ाया, तो मुझे पर्वतारोहण का कोई तजुर्बा नहीं था। मेरे सामने ऐसे लोग थे, जो वर्षों से पर्वतारोहण कर रहे थे। अगर मैं केवल हालात को ही देखता रहता, तो शायद मुझे प्रयास ही नहीं करना चाहिए था। लेकिन, मैंने पाया कि प्रगति का रहस्य भविष्य की पूरी यात्रा देखने में नहीं, बल्कि अगले कदम पर ध्यान देने में है। एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान कोई भी व्यक्ति एक ही छलांग में शिखर तक नहीं पहुंचता। वह पहले एक-एक करके कदम बढ़ाता है। कभी हवा उसका विरोध करती है, तो कभी ठंड, तो कभी थकान। पर, सबसे कठिन क्षण वे नहीं होते, जब शरीर थकता है, बल्कि वे होते हैं, जब मन हार मानने लगता है। जब मैंने '737 चैलेंज', यानी सात महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों और तीन ध्रुवों तक पहुंचने का विचार रखा, तो कई लोगों को यह असंभव लगा। सच कहूं तो कभी-कभी मुझे भी ऐसा ही लगता था। दरअसल, होता यह है कि जब हम किसी लक्ष्य को देखते हैं और उसे बोझ समझने लगते हैं, तो डर जाते हैं। लेकिन यदि हम उसी लक्ष्य को छोटे-छोटे चरणों में बांट दें, तो वही असंभव कार्य संभव होने लगता है। मैंने सीखा कि साहस भय की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि वह क्षमता है, जिसके द्वारा हम भय के साथ भी आगे बढ़ते रहते हैं।

यदि मेरे जीवन की यात्रा ने मुझे कोई एक सबक दिया है, तो वह यही है कि सबसे बड़ी बाधा वह पर्वत नहीं है, जो आपके सामने खड़ा है। सबसे बड़ी बाधा भीतर की वह आवाज है, जो कहती है कि आप उस पर्वत पर चढ़ नहीं सकते। जब आप उस आवाज को सवालों के घेरे में लाना सीख जाते हैं, तब दुनिया बदलने लगती है। तब आप पाते हैं कि क्षितिज वास्तव में सीमा नहीं था। वह तो केवल एक निमंत्रण था आगे बढ़ने, स्वयं को खोजने और यह जानने का कि आप वास्तव में कितने सक्षम हैं।

सनातन व नारी सम्मान पर बड़ी लकीर खींचते योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पवान हैं। वह कई जनसभाओं मे अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर किसी ने बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया तो अगले चैराहे पर उसका इंतजार यमराज कर रहा होगा। योगी जी के बयानों का असर धरातल पर भी दिखाई पड़ता है।

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजनीति से ऊपर उठकर सनातन धर्म तथा स्त्री गरिमा तथा सम्मान के हित में बड़ी रेखाएं खींच रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी के प्रति सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक बयानबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने केआदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गयी है। मुख्यमंत्री ने सख्ती के साथ कहा है कि किसी भी बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कारों में पले -बढ़े हैं जहां गांव की बेटी-बहन को पूरे गांव की बेटी -बहन माना जाता है।

मुख्यमंत्री योगी बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पवान हैं। वह कई जनसभाओं मे अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर किसी ने बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया तो अगले चैराहे पर उसका इंतजार यमराज कर रहा होगा। योगी जी के बयानों का असर धरातल पर भी दिखाई पड़ता है। बेटियों के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही हो रही है। आरोपियों का हाफ एनकाउंटर हो रहा है तथा आवश्यकता पड़ने पर बुलडोजर एक्शन भी हो रहे हैं। प्रदेश में नारी समाज को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से नारी सशक्तीकरण का महाअभियान चलाया जा रहा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रवैया दिखाकर सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा बुने जा रहे चक्रव्यूह को एक ही झटके में ध्वस्त कर दिया है। सपा मुखिया अखिलेश की बेटी अदिति पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के बाद मुख्यमंत्री योगी ने जो एक्शन लिया है उसने इस दुखद घटना पर बनाए जा रहे सपा के राजनैतिक नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया है। जब सोशल मीडिया के माध्यम से यह विवाद बड़े राजनीतिक तूफान में बदल रहा था और सपा योगी जी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह कहकर घेरने का प्रयास कर रही थी कि, जिनका खुद का परिवार नहीं वो परिवार का दर्द क्या समझेंगे तब योगी जी इस घटना के जिम्मेदार लोगों को ढूंढ रहे थे। योगी जी ने अपराधियों पर तुरंत एफआईआर कराने के निर्देश जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी बेटी क्यों न हो बेटी पर अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं है।

यूपी चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ ने अपने इस कदम से सिद्ध कर दिया है कि महिला सुरक्षा और सम्मान के मामले में उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के काम करती है। इससे सपा मुखिया रक्षात्मक रुख अपनाने को बाध्य हो गए हैं। अब भाजपा सपा के पुराने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर उस पर हमलावर है। जो मुद्दा सरकार को घेरने के लिए तैयार किया जा रहा था उस पर योगी जी की प्रशासनिक और राजनीतिक सूझबूझ का बुलडोजर चल गया है। समाजवादी पूर्व में कई बार नारी सम्मान व उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी करते रहे हैं। स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने एक बार कहा था कि लड़के हैं गलतियां हो जाती हैं। सपा के कद्दावर नेता माने जाने वाले आजम खां जैसे नेता तो कई बार महिलाओं की गरिमा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। मायावती जी पर तो सपाइयों ने हमला ही बोल दिया था। सपा राज में महिला सुरक्षा की कितनी बुरी स्थिति थी यह हर कोई जानता है।

योगी की पाती दे रही सनातन विचार-विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस पर योगी जी ने एक पाती जारी की है। इस पाती में उन्होंने वृद्धजनों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा है कि उम्र के अमृतकाल में वृद्धजनों को अपनत्व की सर्वाधिक आवश्यकता होती है, दुर्भाग्य से समाज ऐसे समय का साक्षी बन रहा है जब वृद्धजनों को अपनों का दुर्व्यवहार सहना पड़ता है।

योगी जी ने आगे लिखा है कि सनातन संस्कृति में माता-पिता और गुरु को साक्षात ईश्वर माना जाता है। पाती में योगी ने एक प्राचीन कथा के माध्यम से इस विषय को समझाया। भगवान शिव-पार्वती ने पुत्र गणेश जी और कार्तिकेय के समक्ष समस्त जगत की परिक्रमा की चुनौती रखी। भगवान गणेश ने माता-पिता को ही संपूर्ण सृष्टि मानकर उनकी परिक्रमा कर ली। उन्होंने भगवान श्रीराम का भी उदाहरण दिया। योगी जी का स्पष्ट कहना है कि सनातन, धार्मिक तथा सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संबंधों एवं मूल्यों पर आधारित जीवन शैली है। सनातन में बड़ों का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने की परंपरा है ऐसा इसलिए क्योंकि वे हमारी संस्कृति और जीवन मूल्यों के धरोहर हैं। वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कर नहीं बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता की पहचान है। अपनी पाती मे वह बता रहे हैं कि वृद्धजन व निराश्रित महिलाओं के लिए प्रदेश सरकार ने 1500 रुपए प्रति माह पेंशन देने का निर्णय लिया है।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार सनातन संस्कृति के विचारों पर चलते हुए उन्हें आगे बढ़ा रही है और सनातन संस्कृति को पुष्ट करने वाले निर्णय ले रही है।

संक्षिप्त समाचार

गोविंद बने प्रांताध्यक्ष

ग्वालियर। सर्व हितैषी पेंशनर्स संघ मध्य प्रदेश की बैठक गुरुवार को गांधी पार्क फूलबाग में हुई। जिसमें गोविंद सिंह कुशवाहा को संगठन का नया प्रांताध्यक्ष चुना गया। अध्यक्षता वीडी धूपर ने की। इस मौके पर एमएल अनुरागी, सुखदीन कटारिया, करण सिंह पटेरिया, यशवंत सिंह धाकड़ आदि उपस्थित रहे।

थर्ड सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप 30 से

ग्वालियर। मध्यप्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएशन एवं श्री राम ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में स्व. कैलाशनारायण कट्ठल की स्मृति में थर्ड सब जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप-2026 का आयोजन इस वर्ष ग्वालियर में किया जाएगा। प्रतियोगिता 30 जून से 2 जुलाई तक आयोजित होगी। संजय कट्ठल एवं जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के मुकाबले श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेज के खेल मैदान पर खेले जाएंगे। इसमें 16 टीमों के भाग लेने की संभावना है।

जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला आज

ग्वालियर। प्राकृतिक खेती के प्रसार, किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में 19 एवं 20 जून को दो दिवसीय जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिलाधीश रुचिका चौहान ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों, कृषि वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों और प्रगतिशील किसानों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यशाला का शुभारंभ 19 जून को प्रातः 10 बजे बाल भवन सभागार में होगा। इसमें सांसद, विधायक, कृषि विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न विकासखंडों के कृषक शामिल होंगे।

सीए फायनल का परीक्षा परिणाम घोषित

शहर से बने 21 नए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, सिटी टॉपर बनी शुचि बांझल

नगर संवाददाता ग्वालियर

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा मई 2026 सीए फायनल परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। इसमें ग्वालियर शहर से 21 नए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (सीए) बने हैं। जिसमें शुचि बाँझल शहर की टॉपर बनी हैं। शहर की बात करें तो कुल 166 विद्यार्थियों ने सीए फायनल की परीक्षा दी जिसमे से 45 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। शहर के कुल रिजल्ट की बात करें तो यह 27 प्रतिशत रहा।

शहर से इस बार 55 विद्यार्थी ने दोनों ग्रुप की परीक्षा दी जिनमे से 11 विद्यार्थियों ने दोनों ग्रुप एक साथ सफलता प्राप्त की। वहीं 3 का पहला ग्रुप एवं 2 का दूसरा ग्रुप निकला। 59 विद्यार्थियों ने केवल पहले ग्रुप की परीक्षा दी जिसमे से 10 विद्यार्थी का पहला ग्रुप निकला। वहीं 52 विद्यार्थी ने केवल दूसरे ग्रुप की परीक्षा दी जिसमे से 19 विद्यार्थी का दूसरा ग्रुप निकला।

यह बने नए चार्टर्ड एकाउंटेंट्सः- इस परीक्षा में शुचि बाँझल, शिवम अग्रवाल, रिषी कूपर, कार्तिकेय अग्रवाल, वंशिका सिंघल, अभिनव जैन, गौरी मित्तल, कार्तिकेय सोनी, चेतन जैन, आर्यन अग्रवाल, सलोनी अग्रवाल, तान्या शुक्ला, ईशा यादव, रितिका अग्रवाल, सौरभ जैन, आराध्या माहेश्वरी, आयुषी जैन, ईशिका दूरवार, ओमन थारानी, चिराग जैन और भाव्या पाठक चयनित हुए।

अकाउंट में अधिक दिलचस्पी थी, इसलिए सीए लाइन को चुना

शुचि बाँझल ने बताया कि उन्हें शुरू से ही अकाउंट्स और वित्तीय विषयों में विशेष रुचि थी, इसलिए उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) को अपने कॅरियर के रूप में चुना। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में पहले कोई सीए नहीं था, इसलिए इस क्षेत्र में सफलता हासिल करना उनके लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण रहा। शुचि ने बताया कि उन्होंने सीए की दोनों ग्रुप की परीक्षाएं पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण की हैं। वर्तमान में उनका लक्ष्य ग्वालियर में रहकर प्रैक्टिस शुरू करना तथा कॉर्पोरेट सेक्टर में अनुभव प्राप्त करना है। अपनी सफलता का श्रेय अनुशासित दिनचर्या और एकाग्रता को देते हुए उन्होंने बताया कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि सामान्य मोबाइल फोन से भी दूरी बनाए रखी। उन्होंने कहा कि उनकी मित्रों की संख्या कम रही, इसलिए उन्होंने अपना अधिकांश समय पढ़ाई को समर्पित किया और आईपैड जैसे डिजिटल संसाधनों का उपयोग कर अपनी तैयारी को बेहतर बनाया। चर्चा में उन्होंने बताया कि उनकी रूचि डांस में अधिक है।

जॉब के साथ-साथ करूंगा सीए प्रैक्टिस

'सीए परीक्षा में शहर में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शिवम अग्रवाल ने अपनी सफलता का श्रेय मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प को दिया। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ काम भी किया और सीए बनने का सपना पूरा किया। शिवम ने कहा कि वर्तमान में उनका लक्ष्य सीए की नौकरी करने के साथ-साथ अपनी स्वतंत्र प्रैक्टिस भी शुरू करना है, ताकि वे व्यावसायिक अनुभव के साथ अपने कॅरियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें। उन्होंने बताया कि कक्षा 10 तक उनका सीए बनने का कोई विशेष लक्ष्य नहीं था, लेकिन पिता के निधन के बाद उन्होंने अपने भविष्य को संवारने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंसी का मार्ग चुना। लक्ष्य प्राप्ति के लिए उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाई और पूरी एकाग्रता के साथ तैयारी की। शिवम ने प्रतिदिन 8 से 10 घंटे तक नियमित अध्ययन किया।

इनका कहना है

'हर बार की तरह इस बार का रिजल्ट भी औसत रहा है। जो विद्यार्थी अब चार्टर्ड एकाउन्टेंट बन चुके हैं वे मेम्बरशिप के लिए आवेदन करके मेम्बरशिप नम्बर प्राप्त कर सकते हैं वहीं इनके पास अब जॉब या प्रैक्टिस में जाने का विकल्प है। साथ ही साथ सिविल सर्विसेज में भी सीए का रुझान बढ़ा है इसके लिए आईसीएआई में अलग से कमेटी भी है।

सीए पंकज शर्मा
उपाध्यक्ष,ग्वालियर ब्रांच

'ग्वालियर ब्रांच लगातार स्टूडेंट्स एक्टिविटी पर ध्यान दे रही है। स्टूडेंट्स को परीक्षा में कैसे लाभ मिले इसके लिए समय समय पर सेशन आयोजित किए जाते हैं। वहीं एआई के माध्यम से स्टूडेंट्स स्टडी टाइम को मैनेज करके अच्छी तैयारी कर सकते हैं।'

सीए मयूर गर्ग, इममिडीएट पास्ट चैयरमेन, ग्वालियर ब्रांच

सरकारी मल्टी में फ्लैट दिलाने का झांसा देकर दो भाइयों ने 11 लाख ठगे

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

नगर निगम की सरकारी मल्टी में फ्लैट दिलाने का झांसा देकर दो भाइयों ने 11 लाख रुपए हड़प लिए। फर्जीवाड़ा करने वाले भाइयों ने ऑनलाइन के माध्यम से दो फर्जी रसीदें भी भेजीं। जब काफी समय बाद भी फ्लैट नहीं मिले तो पीड़ित ने आरोपितों से सम्पर्क किया और उनसे फ्लैट के बारे में पूछा लेकिन हर बार गुमराह कर दिया। जब फरियादी ने अपने स्तर पर पता किया तो उसके होश उड़ गए और ठगी का शिकार होने पर पुलिस से शिकायत की लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने दोनों भाईयों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र स्थित किलागेट बाबा कपूर सुनारन मोहल्ला निवासी मनोज पुत्र छोटेलाल मंगल (39)की वर्ष 2022 में सुभाषपुरी घासमंडी निवासी अजय श्रीवास्तव से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होने पर अजय ने सरकारी मल्टी में उन्हें फ्लैट दिलाने की बात कही। अजय ने मनोज से कहा कि उसका भाई आनंद उर्फ अत्री श्रीवास्तव उसके काम को कर देगा। मनोज उसकी बातों में आ गया और 6 दिसंबर 2022 को उसने 50 हजार रुपए अजय को थमा दिए। दो फ्लैट के नाम पर अजय और उसके भाई आनंद ने एक फ्लैट के साढ़े पांच के हिसाब से 11 लाख रुपए 5 मई 2024 तक लिए। जब भी दोनों भाई रकम का तकादा करते थे मनोज उनको नकदी दे देता था। 11 लाख रूपए लेने के दौरान 50-50 हजार रूपए की फर्जी रसीदें भी गई ताकि उनको विश्वास हो जाए। साथ ही एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कुछ दस्तावेज भी भेजे। रकम देने के काफी समय बाद भी जब फरियादी को फ्लैट नहीं मिले तो उसने दोनों भाइयों से सम्पर्क किया और पूछा तो उन्होंने हर बार जल्दी ही फ्लैट दिलाने का आश्वासन दिया। मनोज को संदेह होने पर जब रसीदों के बारे मे पता किया तो उसके होश उड़ गए। रसीदों के फर्जी होने का पता चलने पर अजय व आनंद को बताया तो वह गुमराह करने लगे। फर्जीवाड़े का पता चलने पर फरियादी ने अपनी रकम वापस मांगी तो वह आनाकानी करने लगे।

मुरार जच्चा खाने की बड़ी लापरवाही, मासूम की पहचान में कैमरे बने बड़ी बाधा

डेढ़ माह से बंद पड़े सीसीटीवी, नवजात के परिजन की तलाश

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल के प्रसूति गृह में मंदिर के पास लावारिस हालत में मिली नवजात बच्ची का मामला अब केवल एक मासूम की सुरक्षा तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही को भी उजागर कर रहा है। अस्पताल परिसर में एक नवजात को छोड़कर कोई अज्ञात व्यक्ति आसानी से निकल गया, वहां लगे सीसीटीवी कैमरे पिछले करीब डेढ़ माह से बंद पड़े हैं। यही कारण है कि बच्ची को छोड़ने वाले व्यक्ति तक पहुंचने की पुलिस की कोशिशें फिलहाल बेनतीजा साबित हो रही हैं।

दरअसल मंगलवार दोपहर जच्चा खाने में स्थित मंदिर के समीप कपड़ों में लिपटी एक नवजात बच्ची मिलने से अस्पताल

परिसर में हड़कंप मच गया था। सूचना मिलते ही अस्पताल स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए बच्ची को एसएनसीयू में भर्ती कराया, जहां उसकी निगरानी और उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर है और उसे आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है।

घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन की ओर से प्रारंभिक तौर पर दावा किया गया कि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, लेकिन कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई नहीं दिया। हालांकि जब मामले की जांच के लिए पुलिस अस्पताल पहुंची और कैमरों की रिकॉर्डिंग देखने की बात कही, तब वास्तविकता सामने आई। पता चला कि अस्पताल के कई सीसीटीवी कैमरे पिछले डेढ़ माह से बंद पड़े हैं और उनमें कोई रिकॉर्डिंग ही उपलब्ध नहीं है। इस खुलासे ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि कैमरे लंबे समय से बंद थे तो उन्हें ठीक कराने के लिए कोई पहल क्यों नहीं की गई। अस्पताल परिसर में प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही रहती है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यदि कैमरे चालू होते तो बच्ची को छोड़कर जाने वाले व्यक्ति की पहचान करना आसान होता।

देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ रहे कर्मचारी

अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती यह नन्हीं परी पूरे स्टाफ के स्नेह का केंद्र बनी हुई है। नर्से और स्वास्थ्यकर्मी उसकी देखभाल में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ रहे हैं। फिर भी उसकी मासूम आंखें मानो अपनी मां के आंचल और परिजनों की तलाश कर रही हैं।

गोद लेने की इच्छा लेकर पहुंचे दंपत्ति

नवजात के लावारिस मिलने की खबर फैलते ही तीन से चार दंपति अस्पताल पहुंच गए और बच्ची को गोद लेने की इच्छा जताई। हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया कि बच्ची को किसी भी व्यक्ति को सीधे नहीं सौंपा जा सकता। गोद लेने की पूरी प्रक्रिया कानूनी प्रावधानों और संबंधित विभागों की अनुमति के अनुसार ही होती है।

मातृ शक्ति शौर्य यात्रा से दिया राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक गौरव का संदेश

● भारत माता, राम दरबार और लक्ष्मीबाई की झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर गुरुवार को भव्य मातृ शक्ति शौर्य यात्रा निकाली गई। बैजाताल से शुरू हुई यह यात्रा लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर संपन्न हुई, जहां मातृशक्ति ने भारत माता की आरती कर झांसी की रानी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। यात्रा में बग्घी में सवार भारत माता की जीवंत झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके पीछे हजारों की संख्या में शामिल मातृशक्ति हाथों में भगवा ध्वज लेकर राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ रही थी। देश की रक्षा कौन करेगा, हम करेंगे सब करेंगे, देश की सेवा कौन करेगा, हम करेंगे सब करेंगे, भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जिस हिंदू का खून न खौले, खून नहीं वो पानी है, अगर देश के काम न आए तो बेकार जवानी है, जय शिवाजी, जय भवानी जैसे उद्घोषों से पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो उठा।

शौर्य यात्रा में राम दरबार की आकर्षक झांकी, मां काली, स्वामी विवेकानंद, घोड़े पर सवार महारानी लक्ष्मीबाई झांकी तथा राजपूताना वेशभूषा में मातृशक्ति की टुकड़ियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ आगे बढ़ रहीं महिलाओं ने महारानी लक्ष्मीबाई के साहस, स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति के आदर्श और सांस्कृतिक गौरव को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। यात्रा के माध्यम से महिलाओं को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक जागरण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश भी दिया गया।

स्वच्छता का भी दिया संदेश

मातृशक्ति ने इस अवसर पर नागरिक कर्तव्य के प्रति जागरूकता का परिचय भी दिया। यात्रा के समापन पर मातृशक्ति को ठंडाई वितरित की गई। इसके बाद कार्यक्रम स्थल की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व का संगम बनी यह शौर्य यात्रा शहरवासियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी।

इन्होंने ने भी मनाया बलिदान दिवस

● गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू पर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस मनाया गया। इस मौके पर उमा चौहान, नीतू अग्रवाल भारती पांडे आदि उपस्थित रहे।

● मधुर मराठी मंच ने वीरांगना लक्ष्मीबाई की समाधी पर पुष्पमाला एवं फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर डॉ. एनएन लाहा, अपर्णा पाटिल और अशोक शिरढोणकर उपस्थित रहे।

सकल ब्राह्मण समिति ने वीरांगना को दी श्रद्धांजलि

सकल ब्राह्मण महा समिति ग्वालियर द्वारा गंगा दास की बड़ी शाला में वीरांगना लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर डॉ. जयवीर भारद्वाज, प्रकाश नारायण शर्मा, डॉ. मुन्नालाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस के अवसर पर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान को स्मरण किया। जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भारतीय इतिहास की ऐसी महान वीरांगना थीं, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन देशभक्ति, स्वाभिमान और नारी शक्ति का प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को रानी लक्ष्मीबाई के संघर्ष, त्याग और राष्ट्र समर्पण से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उनका अदम्य साहस और पराक्रम सदैव देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

वरिष्ठ भाजपा नेता स्व. पातीराम जैन की पुण्यतिथि पर श्रमवीर सम्मान 21 को

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

वरिष्ठ भाजपा नेता और समाजसेवी स्व. पातीराम जैन की 26वीं पुण्यतिथि पर रविवार 21 जून को प्रातः 9 बजे जैन छात्रावास, माधव डिस्पेंसरी के समीप श्रद्धांजलि सभा और श्रमवीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित हो रहे श्रमवीर सम्मान समारोह की 26वीं कड़ी में मेहनतकश मजदूरों, कामगारों को सम्मानित किया जाएगा।

मदद संस्था के अध्यक्ष निर्मल जैन एवं सचिव संजय चुघ ने बताया कि श्रमवीर सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज के वास्तविक शिल्पकारों यानी मेहनतकश मजदूरों को उनके अमूल्य योगदान के लिए समग्र समाज की ओर से कृतज्ञता जताना है। श्रद्धांजलि सभा में शहर के गणमान्य नागरिक, राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग और सामाजिक संगठन शामिल होकर उन्हें अपनी भावांजलि अर्पित करेंगे। ज्ञातव्य है कि स्व. पातीराम जैन अपने लंबे राजनीतिक जीवन में जीडीए के डायरेक्टर, निगम परिषद के एल्डरमैन, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं राज्य सरकार की विभिन्न उद्योग व्यापार समितियों के सदस्य रहे। मदद संस्था ने ईमानदार कर्मठ मिस्त्री एवं मजदूर के सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित कर 19 जून तक चाचा स्टील्स लोहिया बाजार पर या व्हाट्सएप नम्बर 9425117112 पर भेजने की अपील की है।

चेम्बर चुनावः मामला संयुक्त अध्यक्ष का

व्हाइट हाउस ने विनोद जैन को उतारा तो ओमप्रकाश ने भी ठोकी ताल

विनोद जैन

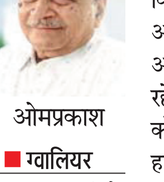

ओमप्रकाश

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में गुरुवार को एक बार फिर व्हाइट हाउस की टूटन सामने आ गई जब हाउस ने दोपहर में संयुक्त अध्यक्ष पद पर टाइल्स कारोबारी विनोद जैन का नाम घोषित किया तो उसके कुछ ही घंटों बाद व्हाइट हाउस कोर ग्रुप के सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला ने भी इसी पद पर चुनाव लड़ने की ताल ठोक दी। जिससे प्रवीण अग्रवाल के बाद एक फूट और सामने आई है। खास बात यह है कि प्रवीण ने दोपहर से प्रचार अभियान शुरू किया तो उसने ओमप्रकाश लल्ला भी उनके साथ रहे। उल्लेखनीय है कि 17 जुलाई को होने वाले चुनाव को लेकर दोनों हाउस आमने-सामने हैं लेकिन व्हाइट हाउस के लिए संयुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की घोषणा चुनौती पूर्ण थी। जैसे-तैसे इन पदों की घोषणा की गई तो लगा कि हाउस ने छह प्रत्याशियों का कोरम पूरा कर लिया है। दरअसल डॉ. विनोद जैन की घोषणा एक दिन पहले हाउस कोर ग्रुप की बैठक में नहीं गई बल्कि गुरुवार को दोपहर उन्हें पूर्व कोषाध्यक्ष वसंत अग्रवाल एवं सुनील हुण्डी सफेद कोठी पर लेकर पहुंचे। वहीं से चार लोगों ने बैठकर जैन के नाम की घोषणा कर दी। इधर कोर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला का एक विवादित पोस्टर पारस के मुरार के कुछ लोगों ने डालकर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की जिससे वह नाराज हो गए। वैसे भी उनकी नजदीकियां डॉ. प्रवीण अग्रवाल से रही हैं। इसलिए देर शाम उनकी ओर से संयुक्त अध्यक्ष पद पर स्वतंत्र प्रत्याशी के रूप में उतरने की घोषणा कर दी गई। इस घोषणा से व्हाइट हाउस को दूसरा झटका लगा है। हालांकि इस बीच अध्यक्ष पद के दावेदार पारस जैन ने दिन में ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला से मुलाकात की थी जिसमें लल्ला ने पोस्टर को लेकर अपनी आपत्ति जताई थी। इस तरह मौजूदा स्थिति में संयुक्त अध्यक्ष पद पर दोनों हाउसों के प्रत्याशियों के साथ एक स्वतंत्र प्रत्याशी और सामने आया है। इसके पहले मोहन माहेश्वरी भी इसी पद पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। वहीं प्रवीण अग्रवाल ने माता जी से आशीर्वाद लेकर लेकर दही मण्डी, दौलतगंज एवं पाटनकर बाजार में प्रचार किया।

इनमें होगा मुकाबला

- अध्यक्ष : पारस जैन (व्हाइट हाउस) विरुद्ध डॉ. प्रवीण अग्रवाल स्वतंत्र
- संयुक्त अध्यक्ष : विनोद जैन (व्हाइट हाउस) विरुद्ध सुरेश बंसल (क्रिएटिव हाउस) एवं ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला स्वतंत्र
- उपाध्यक्ष : सुनील अग्रवाल सन्नी (व्हाइट हाउस) विरुद्ध संदीप नारायण अग्रवाल (क्रिएटिव हाउस)
- मानसेवी सचिव : दीपक अग्रवाल (व्हाइट हाउस) विरुद्ध राकेश अग्रवाल रोम (क्रिएटिव हाउस)
- संयुक्त सचिव : दीपक पमनानी (व्हाइट हाउस) विरुद्ध राकेश अग्रवाल रेडीमेट (क्रिएटिव हाउस)
- कोषाध्यक्ष : मनोज अग्रवाल बाबा (व्हाइट हाउस) विरुद्ध अजय गोयल (क्रिएटिव हाउस)

यह थी विवादित पोस्ट

अध्यक्ष पद पर व्हाइट हाउस के पारस जैन के मुकाबले में निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल के निर्दलीय उतरने पर तरह-तरह की पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। गुरुवार को सोनू मंगल-प्रतीक जैन लालू की ओर से एक विवादित पोस्ट वायरल की गई है जिसमें पारस जैन द्वारा एक कार्यक्रम में दिए उस बयान की तारीफ की गई है जिसमें वह आयकर अधिकारी को मार भगाने की बात कर रहे हैं। इसी पोस्ट में व्हाइट हाउस के कोर सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला द्वारा प्रवीण अग्रवाल के समर्थन में दिए भाषण में बिजली बिल कम करने वाली कर्मचारी के लिए तबादला के डर से ठीक किया बिजली बिल को गलत बताया जा रहा है। साथ ही पूछा जा रहा है कि दोनों में से कौन सही है। इसी बात पर ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला खफा थे।

सेहत से खेती तक बायोटेक की मांग

अच्छी सेहत, कारगर दवाइयों से उन्नत फसलों तक, बायोटेक्नोलॉजी की मांग तेजी से बढ़ रही है। 18 लाख करोड़ रुपए के विशाल आंकड़े को छू चुकी भारतीय बायोइकोनॉमी करियर के कई नए विकल्प पेश कर रही है। यह क्षेत्र अब लैब और रिसर्च तक सीमित नहीं है। तकनीक तथा प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए भी यहां शानदार अवसर हैं। बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं के बारे में जानिए।

बायोटेक्नोलॉजी जीव विज्ञान और तकनीक का ऐसा मेल है, जिसके जरिए स्वास्थ्य, कृषि, खाद्य उत्पादन और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान खोजे जाते हैं। यही कारण है कि यह क्षेत्र अब दवाइयों और वैक्सीन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जेनेटिक टेस्टिंग, बायोफ्यूल, फूड प्रोसेसिंग, ऑर्गेनिक खेती और हेल्थ-टेक जैसे क्षेत्रों में भी तेजी से अपनी जगह बना रहा है। बढ़ती मांग के बीच भारत की बायोइकोनॉमी के 2030 तक 300 अरब डॉलर यानी करीब 25 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इसके साथ ही बायोटेक, हेल्थकेयर, रिसर्च और हेल्थ-टेक जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी लगातार बढ़ रहे हैं।

किसके लिए बेहतर यहां करियर

यह क्षेत्र उन छात्रों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें जीव विज्ञान, स्वास्थ्य, कृषि और लैब आधारित गतिविधियों में रुचि हो। साथ ही, जो छात्र नई चीजों को समझने, प्रयोग करने और वैज्ञानिक तरीकों से समस्याओं के समाधान खोजने में रुचि रखते हैं, उनके लिए बायोटेक्नोलॉजी एक अच्छा करियर विकल्प बन सकती है।

शुरुआत कैसे करें

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीएससी या बीटेक किया जा सकता है। 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी (पीसीबी) या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स(पीसीएम) होना जरूरी है। आगे छात्र एमएससी, एमटेक (बायोटेक्नोलॉजी), पीएचडी (बायोटेक्नोलॉजी/ जेनेटिक्स) या बायो-टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट में एमबीए जैसे कोर्स कर सकते हैं। स्पेशलाइजेशन के बाद रिसर्च, फार्मा कंपनियों, अस्पतालों और कृषि क्षेत्र में करियर बनाने के अवसर मिलते हैं।

कुछ मान्यता प्राप्त संस्थान एवं कोर्स

विभिन्न आईआईटी, जैसे कि आईआईटी बॉम्बे, दिल्ली, खड़गपुर आदि बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंजीनियरिंग में विश्वस्तरीय शिक्षा और अनुसंधान की सुविधा देते हैं। यहां संबंधित क्षेत्र में बीटेक, एमएससी, एमटेक, पीएचडी जैसे कोर्स उपलब्ध हैं।

जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली- बायोटेक में एम.एससी jnu.ac.in

दिल्ली विवि, नई दिल्ली- एम.एससी बायोटेक्नोलॉजी डिग्री कोर्स du.ac.in

भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु- बायोइंजीनियरिंग में इंटीग्रेटेड पीएचडी जैसे कोर्स कर सकते हैं iisc.ac.in

दाखिला कैसे: मेरिट या प्रवेश परीक्षा के आधार पर। स्नातक स्तर पर बीटेक में प्रवेश आमतौर पर जेईई के माध्यम से, जबकि कई स्नातकोत्तर कोर्स में सीयूईटी-पीजी, जीएटी-बी या संस्थान द्वारा निर्धारित प्रवेश प्रक्रियाओं के आधार पर मिलता है।

नए कोर्स और कौशल विकास के मौके

बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में अब कई नए स्पेशलाइज्ड कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें जीनोमिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, क्लीनिकल रिसर्च, फॉरेंसिक साइंस और माइक्रोबायोलॉजी शामिल हैं। इन कोर्स में बायोलॉजी के साथ-साथ कंप्यूटर और डिजिटल तकनीकों का भी उपयोग बढ़ रहा है। छात्र बी.एससी. या बी.टेक. के साथ छोटे सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स करके अपने कौशल को और बेहतर बना सकते हैं। ये कोर्स आईआईटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी और बीएचयू जैसे प्रमुख संस्थानों से किए जा सकते हैं। स्वयम, एनपीटीईएल, कोर्सेरा और ईडीएक्स जैसे ऑनलाइन मंचों पर बायोइन्फॉर्मेटिक्स, डाटा एनालिटिक्स, क्लीनिकल रिसर्च और जीनोमिक्स से जुड़े कोर्स उपलब्ध हैं।

डाटा और एआई से बदलता बायोटेक

बायोटेक्नोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिटिक्स और बायोइन्फॉर्मेटिक्स का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इसकी मदद से दवाओं की खोज, जेनेटिक डाटा का विश्लेषण और बीमारियों की पहचान पहले से अधिक तेज और सटीक हो रही है। वहीं पर्सनलाइज्ड मेडिसिन, जेनेटिक टेस्टिंग और स्मार्ट/ऑर्गेनिक खेती जैसे क्षेत्रों का भी विस्तार हो रहा है, जहां व्यक्ति और पर्यावरण की जरूरतों के अनुसार समाधान विकसित किए जा रहे हैं। इन बदलावों के चलते हेल्थ-टेक, जीनोमिक्स, क्लीनिकल डाटा मैनेजमेंट और एग्री-बायोटेक जैसे क्षेत्रों में नए अवसर उभर रहे हैं।

किन पदों पर अवसर

बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में रिसर्च साइंटिस्ट, लैब टेक्निशियन, क्लीनिकल रिसर्च एसोसिएट, बायोइन्फॉर्मेटिक्स एक्सपर्ट, क्वालिटी कंट्रोल ऑफिसर और प्रोडक्शन से जुड़े कई पदों पर करियर बनाया जा सकता है। रोजगार के अवसर सरकारी अनुसंधान संस्थानों, अस्पतालों, फार्मा और बायोटेक कंपनियों में उपलब्ध हैं।

किन क्षेत्रों में है मांग- एम्स, आईसीएमआर, सीएसआईआर, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और बायोकॉन जैसे संस्थानों में भी योग्य उम्मीदवारों के लिए अवसर मिलते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल डाटा मैनेजमेंट, हेल्थ-टेक और बायोटेक स्टार्टअप्स जैसे उभरते क्षेत्रों में भी मांग बढ़ रही है।

वेतन कितना

शुरुआती वेतन आमतौर पर 3 से 5 लाख रुपए सालाना के आसपास हो सकता है। अनुभव के साथ 6 से 12 लाख रुपये या उससे अधिक हो सकता है। उच्च शिक्षा और रिसर्च के बाद विदेश में भी अवसर मिल सकते हैं।

गैर-विज्ञान छात्रों के लिए भी मौके

गैर-विज्ञान पृष्ठभूमि के छात्र भी बायोटेक उद्योग में बिजनेस डेवलपमेंट, रेगुलेटरी अफेयर्स, क्लीनिकल डेटा मैनेजमेंट, मेडिकल राइटिंग और पेटेंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं। इसके लिए एमबीए क्लीनिकल रिसर्च, डाटा एनालिटिक्स, मेडिकल राइटिंग तथा आईपीआर/ पेटेंट लॉ जैसे सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स उपयोगी हो सकते हैं। ये भूमिकाएं मुख्यतः मैनेजमेंट, डाटा व संचार से जुड़ी होती हैं, इसलिए इनमें लैब आधारित रिसर्च की आवश्यकता अपेक्षाकृत कम होती है।

नीट स्कोर कम हो तो

नीट में कम स्कोर आने पर भी बायोटेक्नोलॉजी के जरिए अच्छा करियर बनाया जा सकता है। छात्र बी.एससी. या बी.टेक (बायोटेक्नोलॉजी) कर सकते हैं, जिसके बाद फार्मा और बायोटेक कंपनियों, अस्पतालों, रिसर्च संस्थानों, हेल्थ-टेक और क्लीनिकल रिसर्च क्षेत्र में अवसर मिलते हैं।

शिक्षक भर्ती में बीटेक डिग्री भी काम आएगी

क्या बी.टेक, डी.एल.एड. नियमित और सीटीईटी पेपर-2 क्वालिफाइड अभ्यर्थी बीपीएससी टीआरई में कक्षा 6 से 8 के गणित एवं विज्ञान शिक्षक पद के लिए आवेदन कर सकता है?

- मो. अब्दुल कादिर

बीटेक डिग्री, नियमित डीएलएड और सीटीईटी पेपर-द्वद्व योग्यता रखने वाले कई अभ्यर्थियों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या वे मिडिल स्कूल स्तर (कक्षा 6 से 8) में गणित एवं विज्ञान शिक्षक के पदों के लिए पात्र हैं। बिहार में कक्षा 6 से 8 के गणित और विज्ञान शिक्षक पदों के लिए आमतौर पर स्नातक डिग्री, टीचर ट्रेनिंग (डी.एल.एड./बी.एड.) और सीटीईटी/ एसटीईटी पेपर-द्वद्व की योग्यता जरूरी होती है। हालांकि, कुछ भर्ती प्रक्रियाओं में बीटेक या बीई डिग्रीधारकों को भी इन पदों के लिए पात्र माना गया है। यानी इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले अभ्यर्थी भी निर्धारित शर्तें पूरी करने पर मिडिल स्कूल स्तर पर गणित और विज्ञान शिक्षक बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। यदि आपके पास बीटेक डिग्री, एनसीटीई से मान्यता प्राप्त नियमित डी.एल.एड और सीटीईटी पेपर-II की योग्यता है, तो आप बीपीएससी के तहत कक्षा 6 से 8 के गणित एवं विज्ञान शिक्षक पदों के लिए पात्र हो सकते हैं। हालांकि, पात्रता की अंतिम पुष्टि संबंधित भर्ती विज्ञापन में दिए गए नियमों और शर्तों के आधार पर ही होगी। इसलिए आवेदन करने से पहले विस्तृत भर्ती विज्ञापन, विषयवार पात्रता शर्तों और बीपीएससी या शिक्षा विभाग द्वारा जारी किसी भी स्पष्टीकरण को ध्यान से देखना जरूरी है। किसी नियम को लेकर भ्रम हो, तो संबंधित भर्ती प्राधिकरण से आधिकारिक जानकारी प्राप्त करना चाहिए।

मैं क्लीनिकल न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स का कोर्स कर रही हूं। कोर्स के बाद नौकरी के अवसर किन क्षेत्रों में मिलते हैं। करियर को बेहतर बनाने के लिए कौन-से अन्य कोर्स या सर्टिफिकेशन किए जा सकते हैं?

-सौम्या शाश्वत

स्वास्थ्य और संतुलित आहार के प्रति बढ़ती जागरूकता ने क्लीनिकल न्यूट्रिशन और डाइटेटिक्स को एक उभरते हुए करियर विकल्प के रूप में स्थापित किया है। इस कोर्स के बाद क्लीनिकल डाइटीशियन, न्यूट्रिशन कंसल्टेंट, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशनिस्ट, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट, वेलनेस कोच और रिसर्च एसोसिएट जैसे पदों पर काम किया जा सकता है। रोजगार के अवसर अस्पतालों, हेल्थकेयर संस्थानों, फिटनेस सेंटर, स्पोर्ट्स अकादमियों, दवा कंपनियों, गैर-सरकारी संगठनों, रिसर्च संस्थानों तथा फूड और न्यूट्रिशन इंडस्ट्री में उपलब्ध हैं। टेलीहेल्थ और डिजिटल वेलनेस प्लेटफॉर्म के बढ़ते विस्तार ने इस क्षेत्र में नए करियर अवसर पैदा किए हैं। छात्र अपना न्यूट्रिशन काउंसलिंग सेंटर शुरू कर सकते हैं या ऑनलाइन कंसल्टेशन सेवाएं देकर भी करियर बना सकते हैं। करियर की संभावनाएं बढ़ाने के लिए स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, डायबिटीज एजुकेशन, पीडियाट्रिक न्यूट्रिशन, रीनल न्यूट्रिशन, वेट मैनेजमेंट, न्यूट्रिजेनोमिक्स और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों में सर्टिफिकेशन किए जा सकते हैं। भारतीय डायटेटिक एसोसिएशन, अकादमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स,स्वयं-एनपीटीईएल, मेडावर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमाणपत्र विशेषज्ञता बढ़ाने में मदद करते हैं। डाटा एनालिटिक्स, हेल्थ कम्युनिकेशन, डिजिटल मार्केटिंग और हेल्थकेयर में एआई के उपयोग जैसे अतिरिक्त कौशल भी सीखे जा सकते हैं। वहीं, क्लीनिकल न्यूट्रिशन, डाइटेटिक्स या पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में मास्टर डिग्री और विशेषज्ञता बेहतर पदों और जिम्मेदार भूमिकाओं के अवसर बढ़ा सकती है।

स्टेट बैंक की भर्ती के आवेदन शुरू, भरी जाएंगी पीओ की 1500 वैकेंसी

बैंक में पीओ की सरकारी नौकरी सबसे अच्छी गवर्नमेंट जॉब्स में शामिल हैं। नई भर्ती में 1500 वैकेंसी का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। आपको लिए यह बड़ा मौका हो सकता है।

बैंक में सरकारी नौकरी का सपना पूरा करना चाहते हैं, तो आपके लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। आपको देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में पीओ की गवर्नमेंट जॉब हासिल करने का मौका मिल रहा है। एसबीआई ने पीओ की नई भर्ती की घोषणा कर दी है। नई भर्ती में 1500 पदों का विज्ञापन आधिकारिक वेबसाइट sbi.bank.in पर जारी किया गया है। बैंक की यह नई वैकेंसी पीओ बनने का आपके लिए गोल्डन चांस हो सकता है। एसबीआई में पीओ की जॉब सबसे बेहतरीन और प्रतिष्ठित सरकारी नौकरियां में शामिल है। नई भर्ती का नोटिफिकेशन जारी हो गया है, साथ में ऑनलाइन एप्लिकेशन प्रोसेस भी 18 जून से ऑनलाइन स्टार्ट हो चुके हैं।

LIFESTYLE

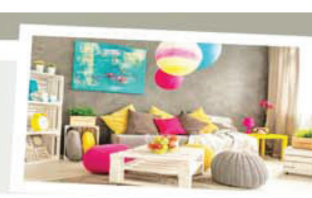

सबके पापा हैं, लेकिन आप चले गए... पिता की तस्वीर से बातें करती बच्ची

पिता को खोने के बाद तस्वीर के सामने बैठकर मासूम ने पूछे भावुक सवाल, वीडियो ने लोगों को झकझोर दिया। विशेषज्ञों ने बताया कि ऐसे समय में बच्चों को कैसे संभालें।

एक मासूम बच्ची का भावुक वीडियो इन दिनों लोगों को भावुक कर रहा है। वीडियो में बच्ची अपने दिवंगत पिता की तस्वीर के सामने बैठकर उनसे बातें करती दिखाई देती है। वह मासूमियत भरे अंदाज में पूछती है, सबके पापा हैं, लेकिन आप हमें छोड़कर क्यों चले गए? उसकी यह बात सुनकर देखने वालों की आंखें नम हो गईं।

बताया गया कि बच्ची के पिता का निधन हो चुका है। वीडियो में वह अपने पिता को याद करते हुए कहती है कि मां उन्हें गलत आदत छोड़ने के लिए समझाती थीं, लेकिन उन्होंने बात नहीं मानी। बच्ची के शब्दों में दर्द और अपने पिता के लिए गहरा लगाव साफ दिखाई देता है।

वीडियो देखकर भावुक हुए लोग

वीडियो सामने आने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने बच्ची के प्रति संवेदना व्यक्त की। कई लोगों ने उसके उज्ज्वल भविष्य और हिम्मत की कामना की, जबकि कुछ लोगों ने पिता की मृत्यु की वजह को लेकर दुख और नाराजगी भी जताई। बच्ची की मासूम बातें लोगों के दिल को छू गईं और सामाजिक मंचों पर इस वीडियो की काफी चर्चा हुई।

बच्चों को दुख से उबरने में ऐसे करें मदद

विशेषज्ञों के अनुसार, परिवार के किसी प्रिय सदस्य को खोना बच्चों के लिए बेहद कठिन अनुभव होता है। ऐसे समय में बच्चों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर देना जरूरी है। उन्हें रोने, बातें करने, चित्र बनाने या अपने प्रियजन से जुड़ी यादें साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

परिवार के सदस्य बच्चों को लगातार प्यार, सुरक्षा और भावनात्मक सहारा दें। छोटे बच्चों को अधिक समय देना, उन्हें गले लगाना और उनके साथ रहना उन्हें सुरक्षित महसूस कराता है। साथ ही उनकी दिनचर्या को सामान्य बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि वे धीरे-धीरे सामान्य जीवन में लौट सकें।

बच्चों की भावनाओं को समझना जरूरी

यदि किसी बच्चे के व्यवहार में चिड़चिड़ापन, डर, चुप्पी या अन्य बदलाव दिखाई दें तो उसे उसकी भावनाओं की अभिव्यक्ति के रूप में समझना चाहिए। ऐसे समय में डांटने या दबाव बनाने के बजाय धैर्य और संवेदनशीलता के साथ उसका साथ देना जरूरी है। परिवार और अपनों का सहयोग ही बच्चों को इस गहरे दुख से बाहर निकलने में सबसे बड़ी मदद देता है।

घुंघराले बाल की सही देखभाल उन्हे बना सकती सुंदर

घुंघराले बाल देखने में आकर्षक लगते हैं, लेकिन उनकी बनावट सामान्य बालों से अलग होती है। यही कारण है कि इनकी देखभाल भी अलग तरीके से करनी पड़ती है। यदि इन बालों की देखभाल सामान्य बालों की तरह की जाए तो वे रूखे, बेजान और उलझे हुए दिखाई देने लगते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार घुंघराले बाल अधिक नाजुक होते हैं और इनमें प्राकृतिक नमी की कमी जल्दी हो जाती है। यही वजह है कि इन बालों को अतिरिक्त नमी और विशेष देखभाल की जरूरत होती है।

घुंघराले बालों की बनावट मुड़ी हुई होती है, जिसके कारण सिर की त्वचा से निकलने वाला प्राकृतिक तेल बालों के सिरों तक आसानी से नहीं पहुंच पाता। नतीजतन बाल रूखे हो जाते हैं और उनमें उलझन, टूटने तथा दोमुंहेपन की समस्या बढ़ जाती है। अधिक उमस, प्रदूषण, बार-बार बाल धोना और रासायनिक उपचार भी बालों की नमी छीन लेते हैं। वहीं गर्म हवा वाले उपकरणों का लगातार उपयोग बालों की बाहरी परत को नुकसान पहुंचाता है और बाल अंदर तक कमजोर होने लगते हैं।

घुंघराले बालों की देखभाल का सही तरीका- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि ऐसे बालों के लिए सल्फेट रहित शैंपू का उपयोग करना चाहिए, ताकि बाल साफ भी रहें और उनकी प्राकृतिक नमी भी बनी रहे। हर बार बाल धोने के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है, जिससे बालों में नमी बनी रहती है और वे कम उलझते हैं।

बालों को सुलझाने के लिए उन्हें हल्का गीला रखें और चौड़े दांतों वाली कंघी या उंगलियों का इस्तेमाल करें। सूखे बालों में बार-बार कंघी करने से घुंघरालेपन की बनावट बिगड़ सकती है और बाल टूट सकते हैं।

नमी बनाए रखना है सबसे जरूरी- घुंघराले बालों को लंबे समय तक नम बनाए रखने के लिए बिना धोए इस्तेमाल होने वाले कंडीशनर, विशेष क्रीम या जेल का उपयोग किया जा सकता है। सप्ताह में एक बार गहरी कंडीशनिंग करने से बालों को अतिरिक्त पोषण मिलता है और उनका रूखापन कम होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि घुंघराले बालों की खूबसूरती बनाए रखने का सबसे बड़ा मंत्र है–नमी को बनाए रखना और उन्हें अनावश्यक गर्मी तथा रासायनिक उत्पादों से बचाना।

विशेष ध्यान रखें

बालों को सीधा करने वाले या गर्म हवा देने वाले उपकरणों का कम से कम उपयोग करें। सोते समय बालों को हल्के से बांध लें और तकिए पर रेशमी या साटन का गिलाफ इस्तेमाल करें, जिससे बालों में रगड़ कम हो। यदि बाल अत्यधिक झड़ने लगें, सिर की त्वचा पर खुजली, लालिमा या खाली जगहें दिखाई दें तो तुरंत त्वचा एवं बाल विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। समय पर देखभाल से घुंघराले बाल भी स्वस्थ, घने और आकर्षक बने रह सकते हैं।

वैक्स कराने के बाद निकल आते हैं दाने? विशेषज्ञ ने बताईं वजह

वैक्स के बाद त्वचा पर दाने, लालिमा और जलन की समस्या आम है। त्वचा विशेषज्ञ के अनुसार कुछ सामान्य गलतियां भी इस परेशानी को बढ़ा सकती हैं।

शरीर के अनचाहे बाल हटाने के लिए वैक्स का उपयोग किया जाता है, लेकिन कई लोगों को इसके बाद त्वचा पर छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों में यह समस्या अधिक देखी जाती है। बालों को जड़ से हटाने की प्रक्रिया के दौरान त्वचा और रोमकूपों पर दबाव पड़ता है, जिससे सूजन और दाने हो सकते हैं।

कुछ मामलों में त्वचा के भीतर उगने वाले बाल, संक्रमण या वैक्स में मौजूद किसी तत्व से एलर्जी भी दानों की वजह बन सकती है। यदि वैक्स अधिक गर्म हो तो त्वचा में जलन और लालिमा बढ़ सकती है।

ये गलतियां बढ़ा सकती हैं परेशानी

त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार कई बार दाने किसी बीमारी या एलर्जी के कारण नहीं, बल्कि हमारी छोटी-छोटी गलतियों की वजह से होते हैं। वैक्स कराने के तुरंत बाद तंग कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ बढ़ती है और सूजन हो सकती है।

इसके अलावा गर्म पानी से स्नान करना, अधिक पसीना बहाने वाली गतिविधियां करना, तेज धूप में निकलना या तैराकी के लिए जाना भी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। वैक्स के बाद सुगंधित प्रसाधनों का उपयोग और त्वचा को रगड़कर साफ करना भी दानों की समस्या को बढ़ा सकता है।

दाने होने पर क्या करें?

यदि वैक्स के बाद दाने निकल आएं तो त्वचा को ठंडक पहुंचाने वाले उपाय अपनाने चाहिए। घृतकुमारी का जेल लगाने से त्वचा को आराम मिलता है और सूजन कम होती है। इसी तरह नारियल तेल त्वचा को नमी देने के साथ उसे जल्दी ठीक होने में मदद करता है। कुछ बूंदें चाय वृक्ष तेल की नारियल या जोजोबा तेल में मिलाकर लगाने से भी लाभ मिल सकता है। हालांकि इसे सीधे त्वचा पर नहीं लगाना चाहिए। वैक्स के बाद बर्फ की सिकाई करने से लालिमा, जलन और दानों में राहत मिलती है।

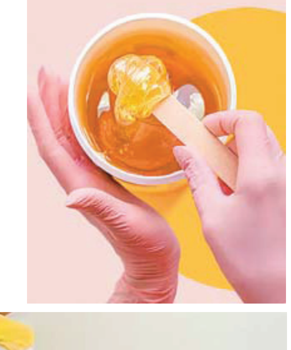

त्वचा को आराम देने में मददगार है कैलेमाइन लोशन

दाने, खुजली और जलन की स्थिति में कैलेमाइन लोशन भी उपयोगी माना जाता है। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और खुजली को कम करता है। यदि समस्या लगातार बनी रहे या दाने बढ़ने लगें तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्स के बाद त्वचा की सही देखभाल और सावधानी बरतकर दानों की समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है।

उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर कोलंबिया की शानदार शुरुआत

कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप के में बुधवार को उज्बेकिस्तान पर 3-1 की जीत के साथ विश्व कप में अपने सफर का विजयी आगाज किया है। डेनियल मुनोज, लुइस डियाज और जैमिंटन कैम्पाज कोलंबिया के लिए गोल किया। हालांकि, कोलंबिया की इस जीत के बाद भी हेड कोच नेस्टर लोरेंजो पूरी तरह संतुष्ट नजर नहीं आए। उनका मानना है कि टीम का प्रदर्शन अपने सर्वश्रेष्ठ से नीचे रहा

डलास/ ह्यूस्टन

कोलंबिया ने जुझारू उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। कोलंबिया की इस जीत में डैनियल मुनोज, जामिंटन कैम्पाज और लुइस डियाज ने 1-1 गोल किए। इस के साथ ग्रुप-के में मौजूद 3 अंको के साथ कोलंबिया शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। मैच की शुरुआत से ही कोलंबिया ने लगातार दबाव बनाए रखा और गोल करने के कई प्रयास किए। मैच के 40वें मिनट में लुईस डियाज के पास पर डैनियल मुनोज ने गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह उनका फीफा विश्व कप में पहला और अंतरराष्ट्रीय करियर का कुल चौथा गोल था।

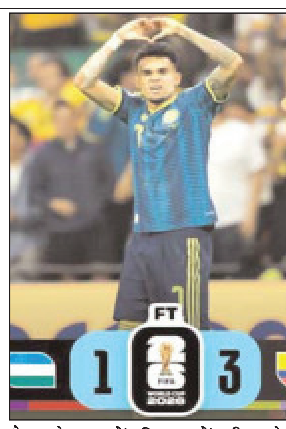

मैच के 45वें मिनट में टीम के स्टार मिडफील्डर जेम्स रोड्रिगेज ने लंबी दूर से प्रयास किया, जो विपक्षी गोलकीपर ने अपने सुरक्षित दस्तानों से रोक लिया। उज्बेकिस्तान से 60वें मिनट में अब्बोस्बेक फैजुल्लाएव ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। उज्बेकिस्तान के कप्तान एल्डोर शोमुरोदोव ने गोल करने का प्रयास किया, जिसे कैमिलो वर्गास ने बचाया, लेकिन इस कोशिश में गेंद फैजुल्लाएव को मिल गई, जिसे उन्होंने हेडर से गोल किया। कुछ मिनट बाद ही 65वें मिनट पर लुइस डियाज ने गोल करते हुए फिर से अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैच के आखिरी कुछ मिनट पहले कैम्पाज ने गोल कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी।

हालांकि, कोलंबिया की इस जीत के बाद भी हेड कोच नेस्टर लोरेंजो पूरी तरह संतुष्ट नजर नहीं आए। उनका मानना है कि टीम का प्रदर्शन अपने सर्वश्रेष्ठ से नीचे रहा।

स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का फ्लॉप शो

43 वीं रैंकिंग वाली डीआर कांगो के सामने पुर्तगाल ड्रा को विवश

ह्यूस्टन

यहां के एनआरजी स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले ग्रुप मैच में पुर्तगाल को डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से चौंकाने वाले ड्रॉ का सामना करना पड़ा। जोआओ नेवेस के शुरुआती गोल के बावजूद, कांगो के योआने विस्सा ने बराबरी का गोल दागकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम की जीत का सपना तोड़ दिया।

मैच का विवरण

पुर्तगाल का गोल

पुर्तगाल के लिए मुकाबले के शुरुआती कुछ मिनट शानदार रहे। मैच के छठे मिनट में मिडफील्डर जोआओ नेवेस ने पेड्रो नेटो के शानदार लेफ्ट-विंग क्रॉस पर लियोनेल मपासी को छकाते हुए हेडर मारकर पुर्तगाल को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई।

कांगो का गोल

पहले हाफ के इंजरी टाइम (50वें मिनट) में डीआर कांगो के आर्थर मासुआकू के क्रॉस पर विसा ने हेडर से जबरदस्त गोल किया। यह डीआर कांगो का वर्ल्ड कप इतिहास का पहला गोल रहा।

रोनाल्डो का फ्लॉप शो

पूरे मैच के दौरान रोनाल्डो संघर्ष करते दिखे। उन्होंने गेंद को केवल 25 बार छुआ और उनका एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा। इसके अलावा, स्टेडियम में मौजूद फैंस ने उन्हें चिढ़ाने के लिए मेसी-मेसी के नारे भी लगाए।

रोनाल्डो द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड

मैदान पर खराब प्रदर्शन के बावजूद, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बड़ा इतिहास रच दिया

सबसे उम्रदराज खिलाड़ी: 41 साल और 132 दिन की उम्र में मैच की शुरुआत करने के साथ ही वह फीफा विश्व कप इतिहास के सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए।
मैचों की संख्या: यह रोनाल्डो के फुटबॉल करियर का 23वां विश्व कप मुकाबला था, जिसके साथ उन्होंने इटली के महान खिलाड़ी पाओलो माल्दिनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

हैरी केन और बेलिंघम के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने क्रोएशिया पर दर्ज की रोमांचक जीत

डलास

हैरी केन ने दो गोल करके विश्व कप फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने के इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की जिससे उनकी टीम ने ग्रुप एल के अपने पहले मैच में क्रोएशिया पर 4-2 की जीत से अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। केन ने 12वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। उन्होंने इसके बाद 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। मार्टिन बटुरिना (36वें) और पीटर मूसा ने पहले हाफ में गोल करके क्रोएशिया को मुकाबले में बनाए रखा। मूसा ने अपना गोल पहले हाफ के इंजरी टाइम के अंतिम क्षणों में किया। लेकिन जूड बेलिंघम (47वें) ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद ही इंग्लैंड को निर्णायक बढ़त दिला दी। मार्कस रैशफोर्ड ने बेंच से आकर पांच मिनट शेष रहते चौथा गोल दागकर जीत को सुरक्षित कर दिया। इन दोनों टीम के बीच 2018 में सेमीफाइनल में मुकाबला हुआ था जिसे क्रोएशिया ने जीता था लेकिन यहां इंग्लैंड की टीम बेहतर साबित हुई। मध्यांतर तक स्कोर 2-2 से बराबरी पर था, लेकिन इंग्लैंड ने इसे 3-2 से अपने पक्ष में करने में देर नहीं लगाई। बेलिंघम ने इलियट एंडरसन से एक लंबा पास लिया और एक डिफेंडर और गोलकीपर डोमिनिक लिवकोविच को छकाते हुए गोल कर दिया। केन अब विश्व कप में 10 गोल कर चुके हैं। उन्होंने 1986 और 1990 के टूर्नामेंट में खेलने वाले गैरी लाइनकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

इंग्लैंड का अगला मुकाबला 23 जून को बोस्टन में घाना से होगा , उसी दिन क्रोएशिया का मुकाबला टोरंटो में पनामा से होगा।

भ्रमित कमेंट्री करने वाले कमेंटेटर को हटाया गया

इस्तांबुल

तुर्की के सरकारी प्रसारक टीआरटी ने विश्वकप मैच के दौरान ईरान और न्यूजीलैंड की टीमों के नामों की भ्रमित करने वाली कमेंट्री पर कमेंटेटर मूरत एक्रेम सिमेन को अपनी सूची से हटा दिया है। टीआरटी ने एक बयान में कहा कि तुर्की मीडिया द्वारा मूरत एक्रेम सिमेन के रूप में पहचाने गए कमेंटेटर को जांच चलने तक अमेरिका में विश्व कप प्रसारण सूची से हटा दिया गया है। अब वह टूर्नामेंट के दौरान मैचों पर टिप्पणी नहीं करेंगे।त प्रसारण के शुरुआती मिनटों में सिमेन ने ईरान टीम के अटैकरों के नाम को न्यूजीलैंड का अटैकर बताया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को ईरान की कार्रवाई के रूप में वर्णित किया।

घाना ने पनामा को 1-0 से हराया

टोरंटो

फीफा विश्वकप 2026 में ग्रुप एल में घाना की फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पनामा के खिलाफ रोमांचक जीत दर्ज की। बुधवार रात खेले गये मुकाबले के दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पांचवें मिनट में कालेब यिरेंकी ने ब्रैंडन थॉमस-असांटे के क्रॉस पर किये गये गोल की बदौलत घाना की विश्वकप में विजयी शुरुआत कराई। मैच में दोनों ही टीमों को गोल करने के बहुत कम मौके मिले। आखिर में, थॉमस-असांटे बाईं ओर से आगे बढ़े और गोल के सामने से बॉल को क्रॉस किया। यिरेंकी ने उस पर गोल कर दिया, जिसके बाद उनके साथी खिलाड़ी खुशी से मैदान पर दौड़ पड़े। घाना ने मिडफील्डर थॉमस पार्टी के बिना मैच खेला, जिन्हें इंग्लैंड में चल रहे मुकदमे के कारण कनाडा में प्रवेश नहीं मिला। आखिरी समय में हुए इस गोल के कारण पनामा को वर्ल्ड कप में अपना पहला अंक नहीं मिल सका।प हले हाफ दोनों टीमों के बीच जोरदार टक्कर के बीच गोल रहित रहा। कुछ जोरदार टक्करों के बाद गोलकीपर हाफ़टाइम पर गेम से बाहर हो गए। इस नतीजे से घाना ग्रुप एल में इंग्लैंड के साथ टॉप पर है, जिसने दिन में पहले क्रोएशिया को 4-2 से हराया था।

भारतीय निशानेबाजों ने दो स्वर्ण सहित तीन पदक जीते

सुहल (जर्मनी)

भारतीय निशानेबाजों ने गुरुवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में दो स्वर्ण सहित कुल तीन पदक जीतकर आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार शुरुआत की। सेजल कांबले और हिमांशी ने क्रमशः व्यक्तिगत स्वर्ण और कांस्य पदक जीते, जबकि वंशिका चौधरी ने नव्या और संस्कृति बाना के साथ मिलकर महिलाओं की टीम का स्वर्ण पदक जीता। पदक राउंड में, सेजल कांबले 240.2 के स्कोर के साथ आसानी से विजेता बनीं, जबकि बुल्गारिया की मारिया एंचेवा अतानासोवा ने रजत जीता।

फिलिप्स का शतक, न्यूजीलैंड ने पहली पारी में बनाये 391 रन

द ओवल

ग्लेन फिलिप्स (100) की शतकीय और टॉम ब्लंडल (51) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ 391 रनों का स्कोर बना लिया है। न्यूजीलैंड ने कल के सात विकेट पर 291 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में न्यूजीलैंड का आठवां विकेट नेथन स्मिथ (चार) रन के रूप में गिरा। उन्हें जेकब बेथेल ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये काइल जेमीसन ने ग्लेन फिलिप्स के साथ पारी को संभाला और नौवें विकेट के लिए 87 रन जोड़े। बेथेल ने काइल जेमीसन (41) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद जोफ्रा आर्चर ने मैट हेनरी (पांच) का शिकार कर लिया। 93वें ओवर की दूसरी गेंद पर मैथ्यू फिशर ने अपना शतक पूरा कर चुके ग्लेन फिलिप्स को आउट कर न्यूजीलैंड की पहली पारी का 391 रनों के स्कोर पर अंत कर दिया। इंग्लैंड के लिए जेकब बेथेल ने तीन विकेट लिये। जोफ्रा आर्चर, मैथ्यू फिशर और सनी बेकर ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। मैच के दौरान इंग्लैंड गेंदबाजों की खास बात यह रहीं उन्होंने अतिरिक्त रनों का अर्धशतक लगाया। जवाब में खेलते हुए इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट खोकर 177 रन बना लिए थे। एमीलियो गे ने 53 रन बनाए।

बेन स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप में खेलेंगे

लंदन

इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को डरहम की टीम में शामिल किया गया है। वह शुक्रवार से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में नॉर्थम्प्टनशायर के खिलाफ होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मैच में खेलेंगे। स्टोक्स इस सीजन में डरहम के लिए अपना तीसरा मैच खेलेंगे। यह मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे ओवल टेस्ट के साथ-साथ ही खेला जाएगा।

लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड पर जीत के बाद इंग्लैंड के नाइटक्लब में हुई घटना के कारण स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को सीरीज के दूसरे टेस्ट के लिए नहीं चुना गया था। ये दोनों खिलाड़ी नाइटक्लब की एक घटना में शामिल थे।

इंग्लैंड ने किया भारत के साथ होने वाले टेस्ट के लिए टीम का ऐलान

लंदन

इंग्लैंड ने नैट साइवर-ब्रंट की अगुवाई में भारतीय महिला टीम के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह मैच एक ऐतिहासिक मौका होगा, क्योंकि यह पहली बार होगा जब महिला टीम का टेस्ट मैच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। नैट साइवर-ब्रंट पहली बार टेस्ट मैच में इंग्लैंड की कप्तानी करेंगी। टीम में हीदर नाइट, टैमी ब्यूमोंट और एमी जोन्स जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, साथ ही कई ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो इस प्रारुप में अपना पहला मैच खेलेंगे। टीम में

पांच ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। एलिस कैपसी, टिली कोर्टीन-कोलमैन, मैडी विलियर्स, ग्रेस पॉट्स और एली थ्रेलकेल्ड के पर्दापण करने की संभावना है। पॉट्स और थ्रेलकेल्ड ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कोई मैच नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024-25 महिला एशेज में इंग्लैंड के हालिया टेस्ट मैच में खेलने वाली कई खिलाड़ियों को टीम में जगह नहीं मिली है।

इंग्लैंड की महिला टीम: नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माया बाउचियर, ऐलिस कैपसी, टिली कॉर्टीन-कोलमैन, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, ग्रेस पॉट्स, एली थ्रेलकेल्ड, मैडी विलियर्स, इज़ी वोंग।

मीनाक्षी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

गुइयांग (चीन)

चीन में चल रहे बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज 2) के चौथे दिन भारतीय बॉक्सर मीनाक्षी ने जीत हासिल की और अपनी वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

महिलाओं की 51किग्रा कैटेगरी में खेलते हुए, मीनाक्षी - जो 48किग्रा में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और उस डिवीजन में वर्ल्ड नंबर 1 हैं और अब ओलंपिक 51किग्रा वेट क्लास में खेल रही हैं - ने पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की।

मकाऊ ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट

अशिमता क्वार्टर फाइनल में इशरानी बरुआ हारकर बाहर

मकाऊ

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चालिहा ने चोट से उबरने के बाद शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए गुरुवार को मकाऊ ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बना ली। अनमोल खरब भी अंतिम आठ में पहुंच गईं, जबकि एशियाई खेलों में जाने वाले भारतीय शटलर तरुण मन्नेपल्ली और इशरानी बरुआ बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 से बाहर हो गए। बैडमिंटन रैंकिंग में 63वें स्थान पर मौजूद अशिमता ने अमेरिका की दुनिया की 65वें नंबर की खिलाड़ी इशिका जायसवाल को 32 मिनट में 22-20, 21-15 से हराकर क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त अनमोल खरब मलेशिया की गोह जिन वेई के प्री-क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान रिटायर होने के बाद आगे बढ़ गई। जब मुकाबला खत्म हुआ, तब अनमोल शुरुआती गेम में 12-4 से आगे थीं। दूसरी ओर, पांचवीं वरीयता प्राप्त इशरानी बरुआ बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट से बाहर हो गईं; वह कोरिया गणराज्य की पार्क गा-उन से 21-19, 23-21 से हार गईं। इशरानी बरुआ इस साल मकाऊ ओपन के महिला एकल ड्रॉ में सबसे ऊंची रैंकिंग वाली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थीं।पुरुष एकल में, तरुण मन्नेपल्ली का सफ़र राउंड ऑफ़ 16 में चीन के डोंग तियान याओ से 24-22, 21-15 से हारने के बाद खत्म हो गया। क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले रौनक चौहान भी चीन के हू झे-आन से 21-13, 21-17 से हारकर बाहर हो गए।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

रॉटरडैम (नीदरलैंड्स)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग 2025-26 सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की। बुधवार को खेले गये मुकाबले में हॉकी रैंकिंग में आठवें स्थान पर मौजूद भारतीय के लिए मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलाकांता शर्मा (35वें मिनट) ने गोल किए, जबकि दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के लिए एकमात्र गोल राफेल हार्टकोफ (45वें मिनट) ने किया।यह मैच अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह के लिए एक यादगार मौका था; अपने 413वें अंतर्राष्ट्रीय मैच के साथ वे भारत के सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले हॉकी खिलाड़ी बन गए और उन्होंने पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मनप्रीत सिंह बने सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले हॉकी खिलाड़ी

नयी दिल्ली

मिडफील्डर मनप्रीत सिंह बुधवार को भारत के लिए सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले पुरुष हॉकी खिलाड़ी बन गए। उन्होंने रोटर्डम में जर्मनी के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2025-26 मैच के दौरान अपना 413वां इंटरनेशनल मैच खेला। 33 वर्षीय मनप्रीत ने भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया के मौजूदा अध्यक्ष दिलीप टिर्की को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने करियर में नेशनल टीम के लिए 412 मैच खेले थे। मनप्रीत का 413वां मैच उन्हें पुरुषों के इंटरनेशनल हॉकी मैचों की ऑल-टाइम लिस्ट में पांचवें स्थान पर ले आया। बेल्जियम के जॉन-जॉन डोहमेन 481 मैचों के साथ लिस्ट में सबसे आगे हैं, उनके बाद नीदरलैंड के ट्यून डी नूइजर (453), ऑस्ट्रेलिया के एडी ओकेंडेन (451) और ग्रेट ब्रिटेन

के बैरी मिडलटन (432) हैं।

यह भारतीय मिडफील्डर अभी एकमात्र ऐसे एक्टिव पुरुष इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं जिन्होंने 400 से ज़्यादा मैच खेले हैं। 2011 में सीनियर डेब्यू करने के बाद से, मनप्रीत सिंह इंटरनेशनल मंच पर भारत टीम में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने टोक्यो 2020 ओलंपिक में टीम की कप्तानी करते हुए ब्रॉन्ज़ मेडल जिताया और वे उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पेरिस 2024 ओलंपिक में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था।

भारतीय महिला टीम ने नेशंस कप में उरुग्वे को 3-2 से हराया

ऑकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को ऑकलैंड में अपने आखिरी पूल मैच में उरुग्वे को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। शुरुआत में एक गोल खाने के बाद, भारत ने हिम्मत और संयम दिखाते हुए वापसी की। दीपिका ने दो गोल किए, जबकि दीपिका सोरेंग ने भी गोल किया। इस जीत ने अमेरिका, जापान और उरुग्वे के खिलाफ लगातार तीन जीत के साथ पूल ए में भारत का पहला स्थान पक्का कर दिया। पूल ए से अमेरिका भी भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचा, क्योंकि अमेरिकी टीम दूसरे स्थान पर रही।उरुग्वे के लिए चियारा एपेनिनो (13वें मिनट) और मैनुएला विलर (55वें मिनट) ने गोल किए।

महिला टी-20 विश्वकप : 11वां मुकाबला

पाकिस्तान फिर हारा, दक्षिण अफ्रीका की रोमांचक जीत

बर्मिंघम

गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद एनरी डर्कसन (52) और एन डी क्लर्क (37) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने महिला टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में पाकिस्तान को 19 गेंदें शेष रहते दो विकेट से शिकस्त दी। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 126 रनों का स्कोर बनाया। पाकिस्तान ने 50 रन के स्कोर तक अपने आठ विकेट गंवा दिये। ऐसे संकट के समय कप्तान फातिमा सना और तुबा हसन ने पाकिस्तान को सम्मानजक स्कोर तक ले गईं। तुबा हसन (23) रनआउट के होने से यह साझेदारी टूटी। कप्तान फातिमा सना ने 38 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 55 रनों की पारी खेली। उनके अलावा इरम जावेद 11 और आलिया रियाज 10 रन बनाकर आउट हुई। पाकिस्तान के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मैरीजन केप ने तीन विकेट लिये। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 16.5 ओवरों आठ विकेट पर 127 रन बनाकर मुकाबला दो विकेट से अपने नाम कर लिया। एनरी डर्कसन ने 35 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 52 रनों की पारी खेली। एन डी क्लर्क ने 28 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 37 रन बनाये। पाकिस्तान के लिए फातिमा सना ने तीन विकेट लिये।

ठगी : सीमेंट भेजने के नाम पर पांच लाख रुपए का फर्जीवाड़ा

साढ़े तीन साल पहले हुई वारदात में अब दर्ज किया गया मुकदमा

भोपाल (नगर संवाददाता)

कटारा हिल्स पुलिस ने सीमेंट भेजने के नाम पर पांच लाख, दस हजार रुपए ऐंठने का मामला दर्ज किया है। वारदात लगभग साढ़े तीन साल पहले हुई थी। इससे पहले बागसेवनिया में यह मामला चलता रहा। पुलिस के अनुसार 38 वर्षीय देवेंद्र सिंह कृष्णा टॉवर में रहते हैं। वे ठेकेदारी का काम करते हैं। देवेंद्र सिंह ने नवंबर, 2022 में मुंबई की जेके लक्ष्मी कंपनी से सीमेंट लेने बातचीत की थी। सौदा तय होने के बाद कंपनी के खाते में पांच लाख, दस हजार रुपए डाल दिए थे। लेकिन, उन्हें सीमेंट नहीं मिला और जिस नंबर पर उन्होंने संपर्क किया वह भी बंद था। फिर उस कंपनी से संपर्क किया तो पता चला कि जिस खाते में पैसा डाला वह जेके लक्ष्मी कंपनी का नहीं था। इसके बाद यह मामला बागसेवनिया थाने में पहुंचा। वहां कोई कार्रवाई कई महीनों तक नहीं की गई। नतीजतन, देवेंद्र सिंह ने सीएम हेल्प लाइन में शिकायत दर्ज कराई गई।

साढ़े तीन साल तक थाने और सीएम हेल्प लाइन कर्मचारियों से वे जूझते रहे। उनकी सुनवाई नहीं की गई। आखिरकार कुछ दिन पहले उन्हें थाना पुलिस ने सायबर क्राइम के राष्ट्रीय हेल्प लाइन नंबर 1930 में संपर्क करके शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। जिसके बाद देवेंद्र सिंह ने 30 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी।

टक्कर से पेट्रोल पंप कर्मचारी की मौत

गुस्साई भीड़ ने वाहन चालक को पीटा, मामला दर्ज

भोपाल (नगर संवाददाता)

खजूरी सड़क में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से पेट्रोल पंप कर्मी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से गुस्साई भीड़ ने चालक को दबोचा और बुरी तरह से पीटा। पुलिस ने ट्रक जब्त करके चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार नितेश यादव पिता अशोक यादव उम्र 30 साल भैंसाखेड़ी में स्थित पेट्रोल पंप में काम करते थे। उनका परिवार आमना खेड़ी गांव में रहता है। उनकी छह साल पहले शादी हुई थी जिसके बाद उनके दो बच्चे भी है। परिवार उन्हीं के भरोसे था। नितेश यादव की रात्रिकालीन सेवाएं चल रही थी। वह बुधवार सुबह साढ़े नौ बजे अपनी मोटर साइकिल से घर लौट रहे थे। खजूरी सड़क थाने के नजदीक वे कट पाइंट से घर जाने यू टर्न ले रहे थे। तभी सामने से आए ट्रक ने बाइक में टक्कर मारी। जिस कारण वे सड़क पर गिरे और सिर में गंभीर चोट आने से मौत हो गई।

यह देख मुख्य मार्ग पर मौजूद भीड़ ने ट्रक का पीछा करके उसके चालक को दबोच लिया। वह अपना वाहन लावारिस छोड़कर भागने जा रहा था। उसे जनता ने पीटा और पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने मर्ग कायम करने के बाद चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

न्यू सुभाष नगर में कियोस्क दुकान से 15 हजार की चोरी

भोपाल (नगर संवाददाता)

ऐशबाग स्थित न्यू सुभाष नगर में चोरी की वारदात हुई है। वारदात करने वाला संदिग्ध सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है। जानकारी के अनुसार न्यू सुभाष नगर में श्री कम्युनिकेशन दुकान है। जिसके संचालक प्रदीप सिंह राठौर है। उनका कियोस्क सेंटर है जिसका ताला बुधवार–गुरुवार की दरमियानी रात तीन बजे चोर ने चटकाया। इसके बाद एल्युमिनियम का गेट नहीं खुला तो उसका शीशा तोड़ दिया।

भीतर घुसा चोर गल्ले से नकदी 15 हजार रुपए और म्यूजिक सिस्टम ले गया। सामने भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम और कर्मचारी राज्य बीमा निगम का दफ्तर है। जिसमें लगे कैमरों की मदद से पुलिस संदिग्धों का पता लगा रही है। रहवासी अभिनव बरोलिया ने बताया दो महीने के भीतर यह पांचवीं वारदात है।

प्रशासनिक कवायद : एक दिन की मोहलत में तबादलों की लगी झड़ी, हुए ढाई हजार से अधिक तबादले

तबादले का मौसम :17 हजार कर्मचारियों-अधिकारियों की बदली

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश सरकार की नई तबादला नीति के तहत राज्य भर में 17 हजार से अधिक तबादले हुए हैं। इनमें सरकार की तरफ से 16 जून को दी गयी एक दिन की मोहलत में ढाई हजार से अधिक तबादले किये गये हैं। इसमें 450 से अधिक तबादले भारतीय और राज्य प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े हैं।

मध्यप्रदेश में तबादला प्रतिबंध में दी गई सीमित छूट के दौरान बड़े पैमाने पर अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण किए गए। राज्य सरकार की तरफ से 15 जून को निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद मिली अतिरिक्त एक दिन की राहत का विभागों ने भरपूर उपयोग किया।

देर रात होते रहे तबादले

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के अनुरोध पर स्थानांतरण के लिए एक दिन की अतिरिक्त अनुमति प्रदान की गई थी। इसके बाद 16 जून की रात तक विभिन्न विभागों में तबादला आदेश जारी करने की प्रक्रिया तेज गति से चलती रही। इस दौरान राज्य और जिला स्तर पर बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नई पदस्थापनाएं दी गईं। तबादलों की इस प्रक्रिया में आबकारी, जेल, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वाणिज्यिक कर, पंजीयन एवं मुद्रांक, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, नगरीय विकास एवं आवास, सामान्य प्रशासन, जल संसाधन, लोक निर्माण तथा पर्यावरण विभाग प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा राजस्व, जनजातीय कार्य, महिला एवं बाल विकास, आयुष, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार तथा सहकारिता विभागों में भी व्यापक स्तर पर स्थानांतरण किए गए।

कई विभागों में हुआ सैकड़ों कर्मचारियों का स्थानांतरण

विभागीय जानकारी के अनुसार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में लगभग 1100, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में करीब 1700, जनजातीय कार्य विभाग में 1200 तथा नगरीय विकास एवं आवास विभाग में लगभग 900 अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले किए गए। वहीं, राजस्व विभाग में करीब 900, लोक निर्माण विभाग में 500 और वन विभाग में लगभग 200 स्थानांतरण हुए। इसके अतिरिक्त जल संसाधन, सामान्य प्रशासन, वाणिज्यिक कर, आबकारी तथा परिवहन विभाग में भी बड़ी संख्या में स्थानांतरण आदेश जारी किए गए। जिला स्तर पर भी व्यापक पैमाने पर तबादले किए गए।

संक्षिप्त समाचार

मामूली विवाद में युवक पर हमला, कान में गंभीर चोट

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में मामूली विवाद के बाद एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस के अनुसार शाहपुरा के रोहित नगर निवासी 32 वर्षीय वीर कुमार स्वामी गुरुवार दोपहर सलैया में अपने परिचित रामू राय के बुलाने पर पहुंचे थे। वहां कुछ लोग बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान रामू राय ने एक व्यक्ति के साथ गाली–गलौज शुरू कर दी। वीर कुमार ने बीच–बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की, लेकिन इससे आरोपी भड़क गए। आरोप है कि पहले वीर कुमार को सड़क पर पटककर पीटा गया, फिर तिलक कामले ने कांच का गिलास उनके कान पर दे मारा, जिससे वह लहूलुहान हो गए। घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

थाने के सामने कैब चालक से मारपीट

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि थाने के सामने ही कैब चालक के साथ मारपीट कर दी गई। पुलिस के अनुसार कोलार रोड निवासी 22 वर्षीय वैभव मिश्रा बुधवार–गुरुवार की दरमियानी रात एक सवारी को आईएसबीटी से ऑरा मॉल छोड़ने जा रहे थे। आरआरएल ब्रिज के पास एक कार ने उनकी कैब को टक्कर मार दी, जिससे वाहन डिवाइडर से जा टकराया। आरोपी चालक भागने लगा, लेकिन वैभव ने उसे एम्स के पास पकड़ लिया। दोनों पक्ष समझौते के लिए बागसेवनिया थाने पहुंचे थे।

रखरखाव के बावजूद नहीं थम रहा बिजली संकट

हर तीसरे मिनट अंधेरे में डूब रही राजधानी, गुस्से में उपभोक्ता

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी भोपाल में बिजली व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। भीषण गर्मी और आंधी-बारिश के मौसम में शहरवासियों को लगातार बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार मई 2026 में शहर में कुल 14,974 बार बिजली आपूर्ति बाधित हुई। यानी पूरे महीने का औसत निकालें तो हर तीन मिनट में कहीं न कहीं बिजली गुल हुई। लगातार मेंटेनेंस और घंटों के शटडाउन के बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

दो से सात घंटे तक कटौती

बिजली कंपनी वर्षभर लाइनों के रखरखाव और मरम्मत के नाम पर अलग-अलग क्षेत्रों में दो से सात घंटे तक का शटडाउन लेती रही है। इसके बावजूद मई में पांच मिनट से अधिक समय तक चलने वाले 6,896 बिजली कट दर्ज किए गए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब नियमित मेंटेनेंस किया जा रहा है तो हल्की आंधी या बारिश में भी बिजली व्यवस्था क्यों चरमरा जाती है।

इन फीडरों पर सबसे ज्यादा संकट

बिजली कटौती के आंकड़ों में नबी बाग फीडर सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां मई के दौरान 107 बार ट्रिपिंग हुई। इसके बाद मालीखेड़ी फीडर में 105 बार, विश्वकर्मा नगर में 97 बार, जबकि सीटीओ और आदमपुर फीडर में 95–95 बार बिजली बाधित हुई। दूसरी ओर शहर के 514 फीडरों में से 36 फीडर ऐसे रहे जहां पूरे महीने एक भी ट्रिपिंग दर्ज नहीं हुई। इनमें वल्लभ भवन, कलेक्टर कार्यालय और कुछ प्रीमियम आवासीय क्षेत्रों से जुड़े फीडर शामिल हैं।

एचटी लाइन का हवाला देकर टाल देते हैं जवाब

बिजली गुल होने पर उपभोक्ता जब स्थानीय अधिकारियों या हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराते हैं तो अधिकांश मामलों में हाईटेंशन (11 केवी या 132 केवी) लाइन बंद होने का कारण बताया जाता है। अधिकारियों का कहना होता है कि एचटी लाइन चालू होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। हालांकि उपभोक्ताओं का कहना है कि यह जवाब लगभग हर बार दिया जाता है, जबकि स्थायी समाधान दिखाई नहीं देता।

मई में कुल 14,974 बार बिजली आपूर्ति हुई बाधित

बिजली गुल से काम प्रभावित

बिजली कटौती का असर केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों, छोटे उद्योगों और विद्यार्थियों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। गर्मी के मौसम में बार–बार बिजली जाने से पानी की सप्लाई, इंटरनेट सेवाएं और दैनिक कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि मेंटेनेंस पर इतना समय और संसाधन खर्च किए जा रहे हैं तो बिजली आपूर्ति पहले की तुलना में अधिक भरोसेमंद होनी चाहिए।

बार-बार कटौती से परेशानी

लगातार सामने आ रहे आंकड़े बताते हैं कि राजधानी की बिजली व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुराने नेटवर्क के आधुनिकीकरण, फॉल्ट प्रभावित क्षेत्रों की पहचान और समयबद्ध सुधार कार्यों से ही बार–बार होने वाली बिजली कटौती पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। फिलहाल शहरवासियों को उम्मीद है कि आने वाले मानसून सीजन से पहले बिजली कंपनी व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

इनका कहना है

आंधी-बारिश में बिजली की समस्या ज्यादा आती है। शिकायत मिलने पर तत्काल समाधान किया जा रहा है।

ऋषि गर्ग,
एमडी, मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी

नौकरी बहाली की मांग को लेकर हाईटेंशन लाइन पर चढ़ा युवक

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद 57 मिनट बाद सुरक्षित उतारा

भोपाल। राजधानी के एमपी नगर इलाके में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब हरदा निवासी 42 वर्षीय श्रवण कुमार नौकरी बहाली की मांग को लेकर शासकीय प्रेस के सामने बिजली के खंभे पर चढ़ गया और हाईटेंशन लाइन के तारों पर चलने लगा। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए।

जानकारी के अनुसार श्रवण कुमार पहले हरदा पोस्ट ऑफिस में अस्थायी कर्मचारी था। एक आपराधिक प्रकरण दर्ज होने के बाद उसकी सेवा समाप्त कर दी गई थी। गुरुवार को वह अधिकारियों से बहाली की मांग करने भोपाल स्थित पोस्ट ऑफिस पहुंचा, लेकिन मुलाकात नहीं होने पर उसने यह कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही एमपी नगर थाना पुलिस और बिजली कंपनी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल बिजली आपूर्ति चालू नहीं करने के निर्देश दिए। संयोगवश उस समय लाइन मेंटेनेंस के कारण बिजली पहले से बंद थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। करीब 57 मिनट तक पुलिस ने युवक को समझाइश दी। इसके बाद वह सुरक्षित नीचे उतरने के लिए तैयार हो गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। समय रहते बिजली बंद होने और पुलिस की सतर्कता के कारण एक संभावित बड़ा हादसा टल गया।

सख्ती अटैच शिक्षकों को भी प्रतिदिन ऑन ड्यूटी ई-अटेंडेंस दर्ज करना होगी,लापरवाही पर प्राचार्य जिम्मेदार

अब जितने दिन ई-अटेंडेंस उतने ही दिन का मिलेगा वेतन

भोपाल (नगर संवाददाता)

शिक्षकों की हर दिन ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता से अफसरों के माथे पर बल पड़ने लगे हैं। अब भोपाल में टीचरों के माह में लगने वाले वेतन देयकों का जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्वयं परीक्षण करेगा। उसके बाद कोषालय भेजा जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्थिति साफ कर दी है कि जितने दिन अटेंडेंस उतने ही दिन का वेतन दिया जाएगा। इसका असर शिक्षक की गोपनीय चरित्रावली की बेहतरी को भी तय करेगा।

डीओ कार्यालय करेगा हर माह वेतन बिलों का परीक्षण

पिछले सत्र में ई-अटेंडेंस व्यवस्था पर शिक्षक विभाग की कसौटियों पर खरे नहीं उतरे हैं। भोपाल जिले का तो और भी बड़ा दुर्भाग्य रहा कि यहां पर एक भी शिक्षक ने शत-प्रतिशत उपस्थित नहीं लगाई है। ऑनलाइन अटेंडेंस का जो समय है।

उसके अनुसार स्कूल पहुंचने और विद्यालय से छूटने की ऑनलाइन उपस्थित शिक्षक को अपने मोबाइल में एप के माध्यम से दर्ज करना होगी। डीईओ कार्यालय का कहना है प्रतिदिन अटेंडेंस के आंकड़े का परीक्षण शुरू कर दिया गया है। शिक्षक की उपस्थिति संकुल से लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय फिर डीईओ कार्यालय से पूरी चेक होगी। शिक्षक ने जितने दिन अटेंडेंस लगाई है। उससे कहीं ज्यादा की काउंटिंग वेतन बिल में तो नहीं है। यही विशेष बिंदु देखा जाना है। भोपाल में नई व्यवस्था बनाई है।

अटैच शिक्षकों की ऑन ड्यूटी अटेंडेंस

भोपाल में जितने शिक्षक मुख्य संस्था छोड़कर दूसरी जगहों पर अटैच या फिर प्रतिनियुक्ति पर हैं, अथवा इन्हें वैकल्पिक तौर पर अधिकारियों ने आवश्यकता के अनुसार कार्यालयों में लगाया है। ऐसे शिक्षकों के लिए आन ड्यूटी अटेंडेंस की व्यवस्था की गई है। यानि शिक्षक जहां काम कर रहा है। वहीं से उसे अटेंडेंस दो बार लगानी होगी।

इंटरनेट समस्या का सैंपल चेक कराए शिक्षा विभाग : पटेल

मप्र गुरुजी अध्यापक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल का कहना है कि जिन इलाकों में इंटरनेट की समस्या है, वहां विभाग क्या विकल्प निकालेगा। अनेक दूरस्थ अंचल ऐसे हैं, जहां आज भी इंटरनेट समस्या है। विभाग को यदि भरोसा नहीं है तो वहां की परिधि के सैंपल चेक करवाये जाएं। यदि इंटरनेट नहीं आता है तो वहां शिक्षकों को राहत प्रदान की जानी चाहिए।

इनका कहना

चूंकि विभाग के निर्देश हैं। इस कारण हर शिक्षक के लिए प्रतिदिन ऑनलाइन अटेंडेंस लगाना अनिवार्य है। नतीजतन यह परीक्षण प्रतिमाह किया जाएगा कि शिक्षक ने जितने दिन ई-अटेंडेंस लगाई है। उतना ही वेतन बनेगा।

– **नरेंद्र अहिरवार**, जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

यू-टर्न पर पेट्रोल पंपकर्मी की मौत लोडिंग वाहन ने मारी थी टक्कर

नाईट ड्यूटी से लौटते समय हुआ हादसा

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। खजूरी सड़क थाने के सामने गुरुवार सुबह यू-टर्न लेते समय एक लोडिंग वाहन ने बाइक सवार पेट्रोल पंप कर्मचारी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार आमनाखेड़ी निवासी नितेश यादव (30) भैंसाखेड़ी स्थित एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन था।

नितेश नाईट ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहा था। सुबह करीब 9.30 बजे वह खजूरी सड़क थाना परिसर के सामने स्थित यू-टर्न के पास पहुंचा और कट प्वाइंट से मुड़ने लगा।

इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नितेश सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोट आई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसकी मदद करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

हादसे के बाद वाहन चालक मौके से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि लोडिंग वाहन जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नितेश यादव की शादी करीब छह वर्ष पहले हुई थी और वह दो छोटे बच्चों का पिता था। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार सदमे में आ गया है।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी–2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।